मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 8 मई 2026

संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 7 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 233, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ जनादेश का बदलता संदेश राजनीति के नए संकेत

प्रियंका चोपड़ा को इंस्टाग्राम पर झटका; 11,45,124 फॉलोअर्स घटे ◀◀ 6

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को ट्रक ने रौंदा, मौत

- ग्रामीणों ने गया-चतरा मार्ग किया जाम
- अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को किया नियंत्रित
- सुबह 05 बजे से रात 8 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों की रहेगी नो इंट्री: एसडीओ

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा: जिले के वशिष्ठ नगर (जोरी) थाना क्षेत्र में आज सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला। जोरी काली मंदिर के समीप मॉर्निंग वॉक पर निकली एक 50 वर्षीय महिला अंजू देवी को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल हो गया। गुस्साए लोगों ने चतरा गयाजी मार्ग पूरी तरह से जाम कर दिया। इस दौरान ट्रक चालक की जमकर पिटाई कर दी और ट्रक का शीशा तोड़ दिया। जाम से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि केवल सांत्वना देने आते हैं, सड़क सुरक्षा की समस्याओं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाते। मौके पर चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी मो जहूर आलम, हंटरगंज बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप, वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाने और स्थिति को नियंत्रण में करने का प्रयास किया। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि आज तड़के एक ट्रक चतरा से बिहार के गयाजी की ओर तेज रफ्तार से जा रहा था। इसी क्रम में दुर्घटना घटी।। बताया कि दुर्घटना करने वाले ट्रक को जब्त करके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। वहीं अनुमंडल अधिकारी मो जहूर आलम ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर सुबह 05 बजे से रात 8 बजे तक जोरी गयाजी सड़क पर भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर नो इंट्री लगा दी गई है। इसके साथ ही हंटरगंज के गोसाईडीह स्थित बिहार बोर्डर से जोरी टोल प्लाजा तक वाहनों की गति सीमा 20 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। आगे उन्होंने बताया कि सरकारी प्रावधानों के तहत मृतक के परिजनों को मुवावजा दिया जाएगा।

मुरथल ढाबे पर बम ब्लास्ट, मंदिर में भी रखे जाते आरडीएक्स!

दिल्ली को जला डालने की आईएसआई की बड़ी साजिश

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने एक बड़े ऑपरेशन में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और शहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े एक खतरनाक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए 9 संदिग्धों से पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। आतंकियों की हिट लिस्ट में दिल्ली के धार्मिक स्थलों से लेकर हाईवे के व्यस्त ढाबे तक शामिल थे। जांचकर्ताओं ने बताया है कि दिल्ली का एक ऐतिहासिक मंदिर पाकिस्तान समर्थित इस मॉड्यूल के मुख्य निशानों में से एक था। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों में से एक ने मंदिर की रेकी की थी और उस जगह की तस्वीरें पाकिस्तान में बैठे सोशल मीडिया हैंडलर्स के साथ शेयर की थीं। आरोप है कि इस आतंकी साज़िश में धार्मिक स्थल को निशाना बनाने से पहले, मंदिर पर तैनात पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों पर गोलीबारी करने की योजना शामिल थी। सूत्रों ने आगे बताया कि दिल्ली-सोनीपत हाईवे पर स्थित एक मशहूर ढाबा भी उनकी हिट लिस्ट में था। आरोप है कि इस ढाबे पर, जहां हर दिन हजारों लोग आते हैं, बड़े पैमाने पर तबाही मचाने और दहशत फैलाने के इरादे से हथगोले (हैंड ग्रेनेड) से हमला करने की योजना थी।

हरियाणा के सोनीपत ज़िले में स्थित मुरथल, दिल्ली से पंजाब के अमृतसर तक फैले नेशनल हाईवे-44 पर मौजूद मशहूर ढाबों का केंद्र है। इन ढाबों पर दिन-रात हजारों लोग आते-जाते रहते हैं।

खबरों के मुताबिक, हिसार में स्थित एक सैन्य शिविर भी क्रकसे जुड़े इस मॉड्यूल के निशाने पर था। आरोप है कि शिविर की रेकी के वीडियो पाकिस्तान से काम कर रहे हैंडलर्स को भेजे गए थे।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थानों में तैनात पुलिसकर्मी भी इस आतंकी नेटवर्क के निशाने पर थे। ये खुलासे गुरुवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा दिल्ली और कई अन्य राज्यों से शहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 गुर्गों को गिरफ़्तार किए जाने के एक दिन बाद हुए। इस ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई।

संघर्ष विराम के बीच होर्मुज में ईरान और अमेरिकी सैनिकों में झड़प, ट्रंप ने दी चेतावनी

एजेंसियां/तेहरान/वाशिंगटन: रणनीतिक रूप से ईरान का महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिकी नौसेना के विध्वंसक जहाजों और ईरानी सेना के बीच सीधी गोलीबारी के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक महीने पुराना संघर्ष विराम अब भी प्रभावी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हालांकि इस घटना को ईरान की ओर से उकसावा करार दिया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किसी अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए, तो इसका नतीजे और भी गंभीर हो सकते हैं। यह टकराव कल देर रात उस समय शुरू हुआ जब तीन अमेरिकी विध्वंसक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की कि उसकी सेनाओं ने ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों को सफलतापूर्वक मार गिराया और शुक्रवार तडके केश्म द्वीप और बंदर अब्बास के पास स्थित हमलावर ठिकानों पर कड़ा जवाबी हमला किया, वहीं ईरान के ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी सेना ने अमेरिकी नौसैनिक संसाधनों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जिससे भारी नुकसान हुआ और अमेरिकी युद्धपोतों को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

आईआरजीसी के प्रवक्ता ने कहा कि यह अभियान एक ईरानी तेल टैंकर एम/टी हसना पर पहले हुए अमरीकी हमले का सीधा जवाब था। ईरान जिसे संघर्ष विराम का स्पष्ट उल्लंघन मानता है। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि उनकी कार्रवाई रक्षा के अधिकार का वैध उपयोग थी और चेतावनी दी कि क्षेत्र में किसी भी अन्य अमेरिकी दुस्साहस का और भी करारा जवाब दिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर इस झड़प के तत्काल प्रभाव को कम बताते हुए इसे मामूली बात कहा और पुष्टि की कि किसी भी अमेरिकी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई आत्मरक्षा में उठाया गया एक आवश्यक कदम था, लेकिन साथ ही इस बात पर जोर दिया कि चल रही वार्ता को लेकर उनका धैर्य अब कम होता जा रहा है। इस घटना ने आठ अप्रैल से लागू शांति समझौते की संवेदनशीलता को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ा दी हैं। जहां अमेरिका का कहना है कि उसकी कार्रवाई बिना किसी उकसावे के की गई थी, वहीं ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया कि ये हमले उसके तेल टैंकर पर पहले हुए अमेरिकी हमले के जवाब में किये गये थे।

तमिलनाडु में एनडीए को लगेगा झटका? बीजेपी से अलग हो सकती है एआईएडीएमके

नई दिल्ली: तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बनाने को लेकर पेच फंस रहा है। चुनाव में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी ने 108 सीटों पर जीत दर्ज की है, हालांकि वे बहुमत का आंकड़ा नहीं छू पाई। प्रदेश में किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए 118 सीटों की आवश्यकता है। वहीं विजय को सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने समर्थन दिया है। कांग्रेस के पास पांच विधायक है। इसके बाद भी सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा पूरा नहीं हो रहा।

एनडीए से अलग हो सकती है एआईएडीएमके: दरअसल, बीजेपी ने एआईएडीएमके के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। बीजेपी ने महज एक सीट पर जीत हासिल की है। वहीं एआईएडीएमके ने 47 सीटों पर जीत दर्ज की है और प्रदेश में तीसरे नंबर पर रही। एक रिपोर्ट के मुताबिक एआईएडीएमके बीजेपी से अपना नाता तोड़ने पर विचार कर रही है।

रिपोर्ट में बताया गया कि बीजेपी के साथ होने के कारण एआईएडीएमके विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन नहीं कर पा रही है। इसलिए एआईएडीएमके बीजेपी से अलग होने का फैसला कर सकती है और इसके लिए मंथन भी शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीजेपी के साथ होने से एआईएडीएमके टीवीके को समर्थन देने से बच रही है। दरअसल, विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान विजय ने कहा था कि डीएमके उनकी राजनीतिक विरोधी है तो बीजेपी उनकी वैचारिक विरोधी है।

यदि एआईएडीएमके बीजेपी से अलग होकर टीवीके को समर्थन देती है तो विजय को कोई परेशानी नहीं होगी।

क्या डीएमके के साथ गठबंधन करेगी एआईएडीएमके? : बता दें कि टीवीके प्रमुख विजय द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार नहीं करने पर एआईएडीएमके और डीएमके में गठबंधन कर सरकार बनाने की अटकलें लगाई जा रही है। अब इन अटकलों पर डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन का बयान सामने आया है और उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की राजनीति में दोनों गठबंधन लंबे समय से एक-दूसरे के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी रही हैं।

मुंबई तरबूज कांड

फॉरेंसिक रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा, पूरे परिवार की मौत के पीछे था चूहे मारने वाला जहर

नई दिल्ली : मुंबई में पिछले महीने हुई एक परिवार के चार सदस्यों की दर्दनाक मौत के मामले में फॉरेंसिक रिपोर्ट ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पिछले महीने दक्षिण मुंबई में एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध मौत के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। फॉरेंसिक जांच (एफएसएल) की रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई है कि जिस तरबूज को परिवार ने खाया था उसमें जिंक फॉस्फाइड नामक घातक जहर मौजूद था। यह वही रसायन है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर चूहे मारने की दवा के रूप में किया जाता है।

बता दें कि यह घटना 26 अप्रैल की है जब दक्षिण मुंबई के एक घर में अब्दुल्लाह डोकाड़िया उनकी पत्नी नसीम और उनकी दो बेटियां, आयशा व जैनब मृत पाए गए थे। शुरूआती जांच में इसे फूड पॉइजनिंग का मामला माना जा रहा था क्योंकि परिवार ने रात को तरबूज खाया था।

पुलिस ने तरबूज के बचे हुए टुकड़ों और मृतकों के विसरा सैंपल को लैब में भेजा था। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच में पाया कि तरबूज और मृतकों के शरीर में जिंक फॉस्फाइड की मात्रा पाई गई। यह एक बेहद जहरीला केमिकल है जो मानव शरीर के अंगों को तुरंत फेल कर देता है। इसका उपयोग कृषि क्षेत्रों और अनाज के गोदामों में चूहों के खात्मे के लिए किया जाता है। फिलहाल अब मुंबई पुलिस इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि आखिर फल के अंदर इतना खतरनाक जहर पहुंचा कैसे?

डीआरडीओ- आईएएफ की बड़ी कामयाबी

स्वदेशी ग्लाइड वेपन तारा का सफल परीक्षण दुश्मन पर 100 किलोमीटर दूर से सटीक वार

नई दिल्ली : भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ओडिशा तट के पास देश के पहले स्वदेशी ग्लाइड वेपन तारा का सफल परीक्षण किया। इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो पुराने बमों को आधुनिक, सटीक और लंबी दूरी तक मार करने वाले स्मार्ट हथियारों में बदलने की क्षमता रखते हैं। इससे भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा।

यह भारत का पहला स्वदेशी मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जिसे सामान्य अनगाइडेड बमों को स्मार्ट ग्लाइड वेपन में बदलने के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम में विंग्स, कंट्रोल सर्फेस और अत्याधुनिक गाइडेंस पैकेज लगाया जाता है, जिससे पारंपरिक बम हवा में लंबी दूरी तक ग्लाइड कर सकता है और बेहद सटीक निशाना साध सकता है। इसे मुख्य रूप से भारतीय वायुसेना के 450 किलोग्राम श्रेणी के बमों के साथ इस्तेमाल किया जाएगा।

इसका परीक्षण लड़ाकू विमान से किया गया। तय ऊंचाई पर विमान से छोड़ने के बाद तारा बिना इंजन के हवा में ग्लाइड करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचा और सटीक प्रहार किया। परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम की मदद से इसकी पूरी उड़ान पर नजर रखी। इसमें एयरोडायनामिक्स, नेविगेशन सिस्टम और अंतिम चरण की सटीकता का सफल परीक्षण किया गया।

तारा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी 100 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता है। इससे लड़ाकू विमान दुश्मन की एयर डिफेंस रेंज से बाहर रहकर भी सुरक्षित तरीके से हमला कर सकते हैं। यह हाइब्रिड नेविगेशन सिस्टम पर आधारित है, जिसमें इनर्शियल नेविगेशन और सैटेलाइट गाइडेंस दोनों का उपयोग किया गया है। इसकी मॉड्यूलर डिजाइन इसे अलग-अलग प्रकार के बमों पर आसानी से लगाने योग्य बनाती है।

यह प्रणाली विदेशी ग्लाइड वेपन्स की तुलना में काफी सस्ती मानी जा रही है। इसके जरिए वायुसेना के पुराने और पारंपरिक बमों को आधुनिक स्मार्ट हथियारों में बदला जा सकेगा, जिससे रक्षा खर्च में भी कमी आएगी।

तारा को आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अब तक भारत को इस तरह की तकनीक के लिए विदेशी हथियार प्रणालियों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब देश ने स्वदेशी क्षमता विकसित कर ली है। यह प्रणाली भारतीय वायुसेना को बंकर जैसे मजबूत ठिकानों और हाई-वैल्यू टारगेट्स पर सटीक हमला करने की नई ताकत देगी।

ट्रंप को बड़ा कानूनी झटका!

अमेरिका की कोर्ट ने 10% ग्लोबल टैरिफ को किया रद्द, बताया 'गैर-कानूनी'

नई दिल्ली: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए ग्लोबल टैरिफ को रद्द कर दिया है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में पहले मिली हार के बाद, ट्रंप प्रशासन को यह एक और बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट व्यापार नीति को एक और बड़ी कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ा है। न्यूयॉर्क की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए 10% ग्लोबल टैरिफ (आयात शुल्क) को अमान्य घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में पहले मिली हार के बाद, इसे ट्रंप की आर्थिक नीतियों के लिए एक गंभीर झटका माना जा रहा है। कोर्ट ने इन टैरिफ को अमान्य और कानून द्वारा अधिकृत नहीं घोषित किया। कोर्ट ने उन छोटे व्यवसायों का पक्ष लिया जिन्होंने इन उपायों को चुनौती दी थी। हालाँकि, एक जज ने असहमति जताते हुए तर्क दिया कि कानून राष्ट्रपति को टैरिफ के मामले में ज्यादा व्यापक शक्तियां देता है।

हनी ट्रैप के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने सख्त किए नियम, खिलाड़ियों का कमरे में प्रवेश हुआ मुश्किल

नई दिल्ली आईपीएल में हनी ट्रैप के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। बीसीसीआई ने आईपीएल की सभी टीमों को पत्र लिखकर यह जानकारी दी है।बीसीसीआई की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) ने दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की घटनाओं को उजागर किया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है।

मैनेजरों की अनुमति के बिना कमरे में नहीं मिलेगा प्रवेश : बीसीसीआई ने आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए जारी एक पत्र में कहा है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों के कमरों में मेहमानों के प्रवेश के लिए टीम मैनेजरों से लिखित अनुमति लेना जरूरी होगा। पीटीआई न्यूज एजेंसी के अनुसार बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को पत्र लिखकर इस बारे में जानकारी दी है।सैकिया ने पत्र में कहा है कि इस सीजन में कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल में अनुशासन और प्रोटोकॉल बनाये रखना है।

न्यूज IN ब्रीफ

पत्नी की हत्या कर मुंबई भागने की थी तैयारी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

खूंटी : जिला के अड़की थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली हत्या का खुलासा पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर कर दिया। बियरबुड़ा नदी के पास मिली महिला की लाश मामले में पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 06 मई 2026 को अड़की थाना अंतर्गत ग्राम रुमचु स्थित बियरबुड़ा नदी के पास एक महिला का शव बरामद हुआ था। मृतका की पहचान 23 वर्षीय रंगामनी देवी , पति दसाय मुण्डा, ग्राम हुँठ थाना अड़की जिला खूँटी, वर्तमान पता रुमधुचु टोली बुरमुंडी के रूप में हुई। जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना के खुलासे के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक खूँटी के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। तकनीकी सहायता और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मृतका के 22 वर्षीय पति दसाय मुण्डा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गया और अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका किसी अन्य युवती से अवैध संबंध था। इसी वजह से उसने पत्नी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। आरोपी ने बताया कि वह मुंबई से वापस आया और 06 मई को अपनी पत्नी को बियरबुड़ा नदी में नहाने के बहाने बुलाया। वहां मौका पाकर उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी दोबारा मुंबई भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन, लोकमान्य तिलक से चक्रधरपुर तक का रेलवे जनरल टिकट तथा मृतका के कपड़े बरामद किया गया है।

सीसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि व बकाया भुगतान को लेकर हुई समीक्षा बैठक

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में सीसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि एवं बकाया भुगतान से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी इकाइयों यथा सीसीएल बीसीसीएल एवं इसीएल द्वारा सीबीए एक्ट -1957 के तहत झारखण्ड सरकार को देय बकाया भुगतान से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। इस क्रम में विभागीय पत्राचार एवं पूर्व में गठित समिति द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रतिवेदनों पर विस्तार से चर्चा की गई।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं सीसीएल प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि विभागीय पत्रांक 3276/रा०, दिनांक 12.11.2020 के आलोक में गठित समिति द्वारा अनुमोदित अद्यतन प्रतिवेदन एवं बैठक कार्यवाही पत्र यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अधिग्रहित भूमि से संबंधित मामलों के निष्पादन हेतु संयुक्त जांच प्रक्रिया में आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में कोयला खनन से संबंधित बकाया मामलों के सत्यापन, अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने एवं विभाग को समुचित प्रतिवेदन प्रेषित करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त द्वारा संबंधित परियोजनाओं के पदाधिकारी को 15 दिनों के अंदर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार,सभी संबंधित परियोजनाओं के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

चतरा रेड क्रॉस में मनाया गया विश्व रेड क्रॉस दिवस

चतरा : भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भवन चतरा में आज शुक्रवार को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सिविल सर्जन डॉ. सतेन्द्र प्रसाद द्वारा झंडोत्तोलन कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने रेड क्रॉस के संस्थापक और संगठन के मानवीय कार्यों को याद करते हुए इसके उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था मानव सेवा, आपदा राहत, रक्तदान, स्वास्थ्य सहायता और जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है। समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। रेड क्रॉस के सिद्धांत मानवता, निष्पक्षता और सेवा भाव पर आधारित हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. सतेन्द्र प्रसाद ने कहा कि रेड क्रॉस केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का प्रतीक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसके कार्यों से प्रेरणा लेकर मानव सेवा में आगे आना चाहिए।

मौके पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक, उपाध्यक्ष विवेक केशरी, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र जैन, चंद्रदेव गोप, संतन पांडेय, जावेद पप्पू रजा, संजय कुमार जायसवाल, रविन्द्र कुमार मित्तल सहित रेड क्रॉस के सदस्य रत्नेश कुमार, निर्भय कुमार, मधुलता कुमारी, सुमन कुमारी, सुप्रिया कुमारी, जयंती कुमारी, तापेश्वर प्रसाद सोनी, पत्रकार प्रवीण सिंह समेत कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डीसी के निर्देश पर पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक

आवश्यक सेवाओं के लिए पेट्रोल-डीजल आपूर्ति रहेगी निर्बाध, जमाखोरी पर प्रशासन सख्त

एम्बुलेंस-पुलिस समेत जरूरी सेवाओं को प्राथमिकता देने का आदेश

संवाददाता

चतरा : जिले में वाहन इंधन की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को एनआईसी सभागार में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा आम लोगों को हो रही परेशानियों की समीक्षा की गई। प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया कि एम्बुलेंस, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस विभाग, खाद्यान्न एवं दुग्ध आपूर्ति, समाचार पत्र वितरण सहित अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर निर्बाध रूप से इंधन उपलब्ध कराया जाए, ताकि जनहित से जुड़ी सेवाएं प्रभावित न हों।बैठक के दौरान पेट्रोल पंप संचालकों को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा गया कि किसी भी परिस्थिति में कृत्रिम संकट उत्पन्न करने, कालाबाजारी करने अथवा अवैध भंडारण जैसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में संबंधित संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों को पारदर्शिता के साथ कार्य करने एवं निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जाएगा। बैठक में आम नागरिकों से भी अपील की गई कि जिले में पर्याप्त मात्रा में इंधन उपलब्ध है। ऐसे में घबराहट में अनावश्यक रूप से पेट्रोल-डीजल का भंडारण न करें। इस दौरान पेट्रोल पंप संचालकों ने भी अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे, जिस पर यथासंभव समाधान का भरोसा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

महंगाई के विरोध में चतरा में झामुमो का धरना-प्रदर्शन

केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता

चतरा : बढ़ती महंगाई,बेरोजगारी एवं आम जनता की समस्याओं को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञाशेन के नेतृत्व में चतरा समाहरणालय के समीप एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए महंगाई पर नियंत्रण लगाने की मांग की।धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष निलेश ज्ञाशेन ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। रसोई गैस,पेट्रोल-डीजल,खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं,जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता की मूल समस्याओं से ध्यान भटकाने का कार्य कर रही है,जबकि आम नागरिक महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा गरीब, मजदूर, किसान एवं आम जनता की आवाज उठाने का कार्य करती रही है और आगे भी जनता के हित में संघर्ष जारी रहेगा। पार्टी नेताओं ने सरकार से अविलंब महंगाई पर नियंत्रण लगाने, बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करने तथा गरीबों को राहत देने की मांग की। धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां एवं बैनर लेकर विरोध जताया। कार्यक्रम में मौजूद जिला प्रवक्ता सत्येंद्र मित्तल ने कहा कि यदि महंगाई पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी। मौके पर चतरा जिला सचिव चंद्र देव साहू, कोषाध्यक्ष नितेश राणा, युवा अध्यक्ष राहुल यादव, मनोज चंद्रा, बाबूलाल साव, सुरेश साव, बुद्धिजीवी मोर्चा जिलाध्यक्ष देवनन्दन साहू,व्यावसायिक मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि यादव
अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मोहम्मद अजहर,प्रकाश यादव, मोहन साव, रमन साहू, भूपेंद्र ठाकुर, सुधीर कुमार, मनोज वर्मा धीरेंद्र सिंह, उपेंद्र वर्मा, बिट्टू कुमार, रंजीत प्रजापति, मनीष कुमार, अवधेश यादव, रबीस सिंह, बबलू केसरी, मकसूद आलम, नामधारी महतो, सलीम अख्तर, मोहम्मद साहिल, देवदीप कुमार, संतराज कुमार, संजीव कुमार, बबलू कुमार, सुजीत सिंह, टिंकू सिंह, मनोज साव के साथ साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हंटरगंज की दो बेटियों का कमाल, निधि बनीं प्रखंड टॉपर

85.6% लाकर निधि ने जिले में पाया 8वां स्थान, सिरामनी को 10वां रैंक

संवाददाता

चतरा : झारखंड एकेडमिक काउंसिल इंटरमीडिएट आर्ट्स की परीक्षा में हंटरगंज प्रखंड की दो बेटियों ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय की दोनों छात्राएं जिला टॉप-10 में शामिल हुई हैं। केदलीकला निवासी किसान मनोज सिंह की पुत्री निधि कुमारी ने 428 अंक यानी 85.6% लाकर जिला टॉप-8 में जगह बनाई। निधि प्रखंड की टॉपर भी बनी हैं। निधि की मां गृहिणी हैं। इसी विद्यालय की छात्रा सिरामनी कुमारी ने 425 अंक यानी 85% लाकर जिला टॉप-10 में स्थान हासिल किया। सिरामनी कोबना निवासी रवींद्र प्रसाद की पुत्री हैं। प्रखंड में सिरामनी दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों बेटियों की सफलता से पूरे प्रखंड में जश्न का माहौल है। प्रधानाध्यापक अनूप कुमार ने दोनों छात्राओं को मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सड़क पर गिरे पेड़ को मुखिया पति ने हटवाकर शुरू कराया आवागमन

चतरा: लावालौंग मंधनियां पंचायत के बरहेद गांव स्थित तिलखेता में सड़क पर महुआ का विशाल पेड़ गिरने से पिछले एक सप्ताह से आवागमन बाधित था। यह सड़क कोलकोले पंचायत के कई गांवों को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ती है। पेड़ गिरने से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और मरीजों को खेतों व पगडंडियों के रास्ते आने-जाने को मजबूर होना पड़ रहा था।ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग कार्यालय नजदीक होने के बावजूद पेड़ हटाने की कोई पहल नहीं की गई। लोगों में इसे लेकर नाराजगी थी।इधर, अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए मंधनियां पंचायत के मुखिया पति भोला राम ने अपने निजी खर्च से मजदूर लगवाकर पेड़ कटवाया और सड़क से हटवाकर आवागमन बहाल कराया। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

ब्लड डोनेशन कैंप के अभाव का दंश झेल रहा चतरा ब्लड बैंक

खुद की पहचान और रक्त मित्र समूह के भरोसे जरूरतमंदों की बच रही जान

संवाददाता

चतरा : जिले का ब्लड बैंक इन दिनों रक्तदान शिविरों के अभाव का गंभीर दंश झेल रहा है। जिले में नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप नहीं लगने के कारण जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे हालात में ब्लड बैंक अपनी पहचान, रक्त मित्र समूह और कुछ साहसी रक्तवीरों के सहयोग से किसी तरह व्यवस्था संभाल रहा है। चतरा में लगभग 60 से 70 मरीज थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। इन मरीजों को प्रत्येक माह नियमित रूप से निःशुल्क रक्त की आवश्यकता होती है। विशेष बात यह है कि इनसे न तो ब्लड लिया जा सकता है और न ही ब्लड जांच का प्रोसेसिंग चार्ज लिया जाता है। इसके अलावा कैंसर पीड़ित मरीजों, आदिम जनजाति बिरहोर परिवारों सहित अन्य जरूरतमंदों को भी निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि जरूरतमंदों को रक्त मुहैया कराना मुश्किल प्रतीत होने लगता है।हालांकि इस संकट की घड़ी में रक्त मित्र समूह के सदस्य, सामाजिक पहचान के माध्यम से जुड़े लोग और रक्तदान के प्रति समर्पित युवा आगे आते हैं। उनके साहस, जोश और सक्रियता से कई मरीजों की जान बचाई जा रही है। रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक ने कहा कि यदि जिला प्रशासन की ओर से नियमित रूप से ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित कराने में सहयोग मिले, तो जिले में रक्त की कमी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है।उन्होंने जिला प्रशासन के साथ-साथ युवाओं से भी आगे आकर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग रक्तदान के नाम से डरते हैं, जबकि इससे डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। रक्तदान करने से शरीर को नुकसान नहीं, बल्कि लाभ होता है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है।

फायरिंग-आगजनी कांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : जिले के कर्रा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से उग्रवादी गतिविधियों से दहशत का माहौल बना हुआ था। रेलवे कार्य में लगे वाहनों पर फायरिंग, आगजनी और लेवी की धमकियों के बीच अब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के तीन हार्डकोर सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार उग्रवादियों ने पूछताछ में हालिया फायरिंग और आगजनी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को कर्रा थाना क्षेत्र के कटमकुकू महुआटोली में रेलवे कार्य में लगे वाहनों पर उग्रवादियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी और कई वाहनों में आग लगा दी थी। घटना स्थल पर पीएलएफआई का पर्चा भी छोड़ा गया था, जिसके बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। वहीं, तोरपा क्षेत्र में गैस संचालक के वाहन पर गोलीबारी की घटना ने भी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी थी। इन मामलों में कर्रा थाना कांड संख्या 31/2026 और तोरपा थाना कांड संख्या 19/2026 दर्ज किया गया था।

इसी बीच पुलिस अधीक्षक, ऋषभ गर्ग खूंटी को गुप्त सूचना मिली कि कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू जंगल में पीएलएफआई संगठन के सदस्य बैठक कर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने, संगठन विस्तार करने और लेवी वसूली की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर एसडीपीओ तोरपा क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित कर जंगल में अभियान चलाया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैमुएल गुड़िया (बंदगांव), धीरज स्वांसी (तपकारा) और सुनिल स्वांसी (रनिया) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, पांच पीएलएफआई पर्चे, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया है।

पूछताछ में तीनों आरोपियों ने रेलवे कार्य में लगे वाहनों पर फायरिंग, आगजनी और पर्चा चिपकाने की घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की है। साथ ही तोरपा क्षेत्र में गैस संचालक के वाहन पर गोलीबारी की घटना में भी शामिल होने की बात कबूली है।

मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 घरों को तोड़ने मामले में हाईकोर्ट सख्त

प्रार्थी को जारी किया अवमानना नोटिस

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के खटंगा स्थित शिव दुर्गा मंदिर रोड पर मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 मकानों को तोड़े जाने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई, जहां अदालत ने याचिकाकर्ता के जवाब पर असंतोष जताते हुए कड़ी टिप्पणी की।

मामले में महादेव उरांव द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष की ओर से हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल की गई थी। कोर्ट के निर्देश के आलोक में प्रतिवादी पक्ष की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया। हालांकि

अदालत ने जवाब को संतोषजनक नहीं माना।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने शपथ पत्र में तथ्यों को सही तरीके से प्रस्तुत नहीं किया और अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि हस्तक्षेपकर्ताओ के साथ हुए कथित पैसे के लेन-देन की जानकारी छिपाई गई है।

कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए महादेव उरांव पर अवमानना नोटिस जारी किया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा कि आखिर क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि न्यायिक प्रक्रिया में तथ्यों को छिपाना और गलत जानकारी देना गंभीर

नाबालिग हत्याकांडः सरकार ने हाईकोर्ट को सौंपा एफएसएल और डेथ रिव्यू रिपोर्ट

रांचीः हजारीबाग में नाबालिग की हत्या से जुड़े मामले में एक बार फिर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत में एफएसएल रिपोर्ट और डेथ रिव्यू रिपोर्ट पेश की गई। यह मामला पहले से ही कोर्ट की निगरानी में चल रहा है। सरकार ने कोर्ट को जानकारी दी कि जांच के दौरान जुटाए गए सभी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य अब अदालत में जमा कर दिए गए हैं। एफएसएल रिपोर्ट में घटनास्थल से मिले सबूतों की वैज्ञानिक जांच शामिल है, जबकि डेथ रिव्यू रिपोर्ट में मौत के कारणों को स्पष्ट किया गया है।

कोर्ट की सख्त निगरानीः यह मामला एक गंभीर अपराध से जुड़ा है, जिसमें नाबालिग की हत्या की जांच की जा रही है। हाईकोर्ट पहले से ही इस केस पर नजर बनाए हुए है और समय-समय पर जांच की प्रगति रिपोर्ट मांग रहा है ताकि जांच पूरी तरह पारदर्शी और सही दिशा में आगे बढ़ सके। सरकार द्वारा रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि मामले की जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी। कोर्ट आगे की सुनवाई में रिपोर्ट के आधार पर महत्वपूर्ण निर्देश दे सकता है।

अपराध की श्रेणी में आता है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मुंडारी प्रकृति की जमीन पर अवैध निर्माण और वहां बने 12 घरों को तोड़े जाने से जुड़ा है। इसको लेकर प्रभावित परिवारों और संबंधित पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। मामले की सुनवाई के दौरान प्रभावित पक्ष ने अपनी दलीलें रखते हुए न्यायालय से उचित हस्तक्षेप की मांग की।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद अब इस मामले पर कानूनी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। अगली सुनवाई में अदालत प्रतिवादी पक्ष से विस्तृत जवाब मांग सकती है। वहीं प्रभावित परिवारों की नजर अब कोर्ट के आगामी फैसले पर टिकी हुई है।

टेंडर घोटालाः राम कुमार राम ने ईडी कोर्ट में किया सरेंडर, मिली बेल

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के बहुचर्चित ग्रामीण विकास विभाग टेंडर घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता राम पुकार राम ने ईडी की विशेष अदालत में सरेंडर कर दिया। अदालत ने सुनवाई के बाद उन्हें एक लाख रुपये के मुचलके और देश नहीं छोड़ने की शर्त पर जमानत दे दी। ईडी की जांच में सामने आए कथित टेंडर घोटाले में राम पुकार राम का नाम आरोपितों की सूची में शामिल है। जांच एजेंसी ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें कुल 15 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सभी पर टेंडर प्रक्रिया में अनियमितता, कमीशनखोरी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोप लगाए गए हैं। ईडी कोर्ट द्वारा समन जारी होने के बाद आरोपी एक-एक कर अदालत में पेश हो रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को राम पुकार राम ने आत्मसमर्पण किया। अदालत ने उनकी ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए राहत दे दी।

पहले भी कई आरोपियों को मिल चुकी है जमानतः इस मामले में यह पहला मौका नहीं है जब किसी आरोपी को जमानत मिली हो। इससे पहले भी कई आरोपी आत्मसमर्पण के बाद अदालत से जमानत हासिल कर चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि समन पाने वाले बाकी आरोपी भी अदालत में पेश हो सकते हैं। ईडी की चार्जशीट में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके तत्कालीन ओएसडी संजीव लाल और घरेलू सहायक जहांगीर आलम के नाम भी शामिल हैं। इस मामले ने उस समय बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक भूचाल ला दिया था, जब जांच एजेंसी ने बड़े पैमाने पर छापेमारी की थी।

मौसम में बदलाव के साथ बढ़ रहा बीमारियों का खतरा, सावधानी जरूरी : डॉ एम हसनैन

वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और पेट संबंधी समस्याओं से बचने की दी सलाह

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची में लगातार बदलते मौसम, तेज गर्मी, बारिश और उमस के कारण लोगों में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहर के प्रख्यात जनरल फिजिशियन डॉ एम हसनैन ने लोगों से सावधानी बरतने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

डॉ हसनैन ने कहा कि इस मौसम में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, गले में संक्रमण, डायरिया, टाइफाइड और डेंगू जैसी बीमारियों के मामले तेजी से सामने आते हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोग बाहर का खुला और बासी खाना खाने से बचें, साफ और उबला हुआ पानी पिएं तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। बारिश में भीगने के बाद तुरंत कपड़े बदलें और अत्यधिक ठंडे पेय पदार्थों से परहेज करें।

डॉ एम हसनैन ने बताया कि मौसम बदलने के दौरान इम्यूनिटी मजबूत रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम जरूरी है। उन्होंने लोगों से बिना डॉक्टर की सलाह के दवा नहीं लेने की भी अपील की।

उन्होंने कहा कि यदि लगातार बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में तकलीफ या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। समय पर इलाज से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि सावधानी और जागरूकता ही मौसमी बीमारियों से बचाव का सबसे बड़ा उपाय है।

धोनी बने बिहार-झारखंड के नंबर वन टैक्स पेयर

रांची : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर बिहार-झारखंड के सबसे ज्यादा आयकर दाता बने हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में माही ने एक बार फिर व्यक्तिगत श्रेणी में सबसे अधिक इनकम टैक्स दिया है। इसकी घोषणा बिहार-झारखंड के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त डॉ डी सुधाकर राव ने गुरुवार को रांची में की।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ने कहा कि धोनी एक बार फिर नंबर वन टैक्स पेयर बने हैं। हालांकि उन्होंने इस मौके पर आयकर की राशि नहीं बतायी। उन्होंने कहा कि बीते-वित्तीय वर्ष 2025- 26 के दौरान बिहार-झारखंड से करीब 20 हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जिसमें 12 हजार करोड़ झारखंड से और 8 हजार करोड़ बिहार से मिला है। चालू वित्तीय वर्ष में भी 20,000 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। उम्मीद करते हैं कि झारखंड से पिछले वित्तीय वर्ष की तरह 12,000 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा।

बिहार-झारखंड में पैन कार्ड होल्डर 5.5 करोड़ हैं। मगर रिटर्न फाइल महज 40 लाख ही करते हैं। रिटर्न दाखिल करने वाले 40 लाख में झारखंड से 60% हैं, शेष 40% बिहार के हैं। आयकर विभाग आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या बढ़ाने के लिए इन दिनों विशेष अभियान चलाने जा रहा है, जिसके तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू नये आयकर कानून की जानकारी आयकर दाताओं को दी जायेगी। इस अभियान का नाम आयकर विभाग ने प्रारंभ दिया है जो मई-जून महीने में बिहार-झारखंड के सभी प्रमुख शहरों में आयोजित किया जायेगा। 21 मई को पटना से प्रारंभ कार्यक्रम की शुरूआत होगी, जो मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, गया के बाद रांची, जमशेदपुर, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, दुमका जैसे शहरों में आयकर विभाग आयोजित कर आयकर दाताओं को नये कानून की जानकारी देगा।

एचएम पब्लिक स्कूल चुटिया में एकेडमिक एक्सलेंस अवार्ड सेरेमनी , छात्रों को किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांचीः साल भर की मेहनत के बाद सबके सामने छात्रों को सम्मानित करने से छात्र ही नहीं उनके अभिभावक भी प्रसन्न होते हैं। यह एक यादगार पल होता है। उक्त विचार एचएम पब्लिक स्कूल चुटिया में एकेडमिक एक्सलेंस अवार्ड सेरेमनी के अवसर पर वार्ड नं 14 की पार्षद अंजू कुमारी ने कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों में भी एक स्वच्छ प्रतियोगिता होनी चाहिए इससे उनके अंदर की प्रतिभा खुल कर निखरती है। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि अंजू कुमारी, प्राचार्य अरविंद कुमार, विशिष्ट अतिथि उदय कुमार, प्रबंधक पूनम देवी, संयुक्ता देवी, रमेश कुमार के द्वारा हरिहर महतो और आनंद कुमार के छाया चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। विशिष्ट अतिथि उदय कुमार ने कहा कि छात्रों को इस तरह सम्मानित करना एचएम पब्लिक सेक्टर के लिए एक सराहनीय कार्य है। विदित हो कि सेशन 2025-2026 के वार्षिक परीक्षा में अपने अपने सेक्शन में सबसे ज्यादा नम्बर लाने वाले छात्रों को सम्मानित किया किया। पुरस्कार वितरण अंजू कुमारी, पार्षद, उदय कुमार, रमेश कुमार विद्यालय के प्रबंधक पूनम देवी और संयुक्ता देवी के हाथों पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट पुरस्कार में नर्सरी अ का छात्र रुद्र कुमार शर्मा को 99.3% प्री नर्सरी इ की छात्रा प्रज्ञा कुमारी को 99%, नर्सरी अ का छात्र भास्कर महतो। और प्री नर्सरी अ की छात्रा रेयानशिखा को 98% के लिए सम्मानित किया गया उसी तरह वन उ की मानषी कुमारी तृतीय की तान्या कुमारी वन ब की तनुजा कुमारी, सातवीं की आराधना कुमारी सातवीं की आकांक्षा कुमारी और वर्ग छह की स्वीटी कुमारी को उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूरे वर्ष लगातार उपस्थिति के लिए वर्ग सातवीं की आराधना कुमारी, वर्ग आठवीं की अर्चना कुमारी और वर्ग नवम का छात्र हर्षित कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण और कार्यक्रम का संचालन अरविंद कुमार, प्राचार्य ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पुनीत तिर्की ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में अपूर्व शशांक , अंजली सेन, सती सिन्हा, अनामिका सिंह, रंजीत कुमार, कुमार कमलेश, रवि प्रकाश, वासुदेव सिंघा, सरिता, सुजाता, शिवानी, संगीता, सरोज, शोभा, मीना, आकांक्षा, रौशन, प्रीति, कल्पना, निलेश गौतम व अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ।

मनोकामना सिद्धि के लिए कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम में उमड़ती है भक्तों की भीड़

मंदिर में स्थापित मां काली, राधा-कृष्ण की प्रतिमा व शिवलिंग आकर्षण का केंद्र

एसएन गांगुली

रांची /कोन नगर (पश्चिम बंगाल): मां काली की महिमा अपरम्पार है। उनकी कृपा पाने के लिए भक्तगण भक्ति में लीन रहते हैं। यूं तो भारत वर्ष सहित विश्व के विभिन्न जगहों पर मां काली का मंदिर स्थापित हैं, जहां भक्तों द्वारा उनकी पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान से की जाती है। देश-विदेश में स्थापित कई काली मंदिर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र भी हैं।

लेकिन विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में मां काली की पूजा काफी लोकप्रिय है। कोलकाता के काली घाट में स्थापित मां काली के विश्वप्रसिद्ध मंदिर में देश-विदेश के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के उत्तरपाड़ा थानांतर्गत जीटी रोड (पूर्व) पर अवस्थित साधुर घाट में स्थापित कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम (मंदिर) का भी जिक्र किया जाता है। यह मंदिर भी काली भक्तों की आस्था का एक केंद्र है।

इस मंदिर का संचालन कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम कमेटी द्वारा किया जाता है।

इस मंदिर का निर्माण मां काली के एक अनन्य भक्त सूर्य नारायण सरस्वती (अब स्वर्गीय) के नेतृत्व में स्थानीय भक्तों के सहयोग से वर्ष 1911 में कराया गया। स्थापना काल से ही यह मंदिर भक्तों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर में मां काली के अलावा भगवान राधा-कृष्ण की प्रतिमा व शिवलिंग भी स्थापित है।

वर्तमान में यह मंदिर हुगली जिले के काली पूजा और आनंदमयी परंपरा का एक हिस्सा है। यहां साधना, कीर्तन,भंडारा और सेवा कार्य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। पवित्र गंगा नदी के किनारे स्थित मंदिर में भक्तगण साधना व पूजा-अर्चना के बाद आसपास के मनोरम दृश्यों का अवलोकन कर आनंद उठाते हैं। भक्तगण हुगली के ममलखा गांव के काली मंदिर, हुगली जिले के चापदानी-खुड़ीगाछी में मां आनंदमयी काली मंदिर, बांसबेरिया का हंगसेश्वरी काली मंदिर का दर्शन करने के साथ-साथ कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम में आकर विश्राम करते हैं। मंदिर में प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमें काफी संख्या में भक्त गण शामिल होते हैं। वहीं, हर अमावस्या को भक्तों के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया जाता है।

इसके अतिरिक्त आश्रम द्वारा सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं।

कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम संचालन समिति के अध्यक्ष गौतम पाल, सचिव दिलीप कुमार कुंडू और कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार बनर्जी सहित अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता पूरे मंदिर परिसर की व्यवस्था में सहायक है। कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार बनर्जी बताते हैं कि आश्रम के सभी पदधारी व सदस्य गण सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में लगाते हैं। मंदिर में प्रतिदिन धर्म-आध्यात्म पर परिचर्चा आयोजित की जाती है। वहीं, सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आश्रम की सहभागिता होती है। श्री बनर्जी बताते हैं कि उनकी पत्नी रूना बनर्जी भी मां काली की अनन्य भक्त हैं। उनके नेतृत्व में भी मंदिर संचालन व्यवस्था में महिला श्रद्धालुओं का उल्लेखनीय योगदान होता है। मंदिर के पुरोहित जयंत चक्रवर्ती, शुभम मुखर्जी, चिन्मय चक्रवर्ती, उदयेश चक्रवर्ती सदैव तत्पर रहते हैं। ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आश्रम में अतिथियों के लिए चार कमरे बनाए गए हैं। अन्नप्राशन, उपनयन संस्कार आदि आयोजनों के लिए भक्तों को अनुदानित दर पर कमरे उपलब्ध कराए जाते हैं। आश्रम द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए और चार कमरों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। कोन नगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम के पदधारियों के मुताबिक समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए समय-समय पर वस्त्र वितरण, भोजन वितरण सहित अन्य कार्य किए जाते हैं।

पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति भी समिति समर्पित भाव से जुटी रहती है। कोननगर श्रीश्री काली माता आनंद आश्रम भक्तों की आस्था का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। भक्तगण अपनी मनोकामना सिद्धि के लिए मां काली की भक्ति में लीन रहते हैं।

(लेखक रांची निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

मां बांग्ला मंदिर में जरूरतमंदो के बीच खाने का डब्बा और वॉटर बॉटल का वितरण

रांचीः काली अस्थान रोड रांची में मां बांग्ला मंदिर में जरूरतमंद लोगों के बीच भारतीय एकता कमेटी के तत्वावधान में खाने का डब्बा, वाटर बोतल और मिठाई खाने के पैसे बांटे गये। इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि इंसानियत से बड़ा कुछ भी नहीं होता है। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा होती है।आइए हम सब मिलजुल कर गरीब बीमार जरूरतमंद लोगों के लिए सेवा का कार्य बढ़ चढ़कर करते रहे यही सबसे बड़ा शुभ कार्य नेकी का काम है। सब कुछ पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा । गुलाम मुस्तफा ने सभी से अपील की कि के सभी धर्म समुदाय के लिए जो जरूरतमंद है उसके लिए सेवा का कार्य बढ़ चढ़कर करते रहे।

झारखंड समेत देश में नई एआई सुविधा लाने के लिए आईबीएम और योटा की साझेदारी

रांचीः आईबीएम और योटा डाटा सर्विसेज ने भारत में नई एआई सुविधा शुरू करने की योजना की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत योटा के शक्ति क्लाउड पर आईबीएम की एआई तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कंपनियों और सरकारी संस्थानों को सुरक्षित तरीके से एआई सेवाओं का उपयोग करने में मदद मिलेगी। कंपनियों के अनुसार इससे आईटी, फाइनेंस, एचआर और कस्टमर सपोर्ट जैसे काम तेज और आसान होंगे। माना जा रहा है कि झारखंड जैसे राज्यों में भी इससे डिजिटल सेवाओं, सरकारी कामकाज और उद्योगों में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। आईबीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने कहा कि यह पहल संस्थानों को सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ बड़े स्तर पर एआई अपनाने में मदद करेगी।

कृषि मंत्री ने मिनी आटा चक्की व धान कुटाई मशीन बांटा

मांडरः कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय में महिला स्वयं सहायता समूह एवं प्राथमिक सहकारी समितियों के बीच मिनी गेहूं आटा चक्की व धान कुटाई मशीन का वितरण किया। उन्होंने प्राकृतिक आपदा व दुर्घटना प्रभावित परिवारों के बीच मुआवजा राशि का भी वितरण किया। उन्होंने वेजफेड के माध्यम से महिला समूहों के बीच 40 मिनी मशीन समेत प्राकृतिक आपदा व दुर्घटना के मुआवजा के रूप में 65 परिवारों के बीच 17 लाख 24 हजार रुपये के चेक का वितरण किया। मंत्री ने कहा कि मिनी आटा चक्की व धान कुटाई की मशीन के वितरण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार का प्रयास है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com
अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 06/2026–27
जिला योजना अनाबद्ध मद

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 15.05.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनों को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 16.05.2026 को 4.00 बजे अपराहन तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 16.05.2026 को 4.30 बजे अपराहन।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छताप्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अवर प्रमंडल सं0–2, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Special Repairing works in Bishunpur Rural Water Supply Scheme, Block-Bishunpur in District -Gumla under D.W. & S. Division, Gumla for the year 2026-27.	13,61,052	27,300	2,500	02 माह

निविदा की नियम एवं शर्तें :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।
PR 379237 Drinking Water and Sanitation(26-27)D

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,गुमला।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

अदालतों में लंबित मामलों के निपटारे की हो तय सीमा

केंद्रीय कैबिनेट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का निर्णय न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) सहित जजों की कुल संख्या 33 से बढ़ाकर 38 किए जाने से लंबे समय से लंबित मामलों के बोझ को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। देश की सर्वोच्च अदालत में हजारों मुकदमे लंबित हैं, जिनकी समय पर सुनवाई और निपटारा न्याय की मूल भावना के लिए आवश्यक है। पिछले साल के अंत में ही लोकसभा में सरकार ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि सुप्रीम कोर्ट व राज्यों के उच्च न्यायालयों में दस साल से ज्यादा अवधि के मामले भी बड़ी संख्या में लंबित चल रहे हैं। भारतीय न्याय प्रणाली लंबे समय से न्याय में देरी, न्याय से वंचित करना जैसी आलोचनाओं का सामना करती रही है। अदालतों में बढ़ते मामलों का दबाव न केवल जजों पर अतिरिक्त बोझ डालता है, बल्कि इससे आम नागरिकों को भी वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यह बात भी सही है कि केवल सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। देश की न्याय व्यवस्था की जड़ें निचली अदालतों में हैं, जहां सबसे अधिक मामले लंबित रहते हैं। जिला और अधीनस्थ अदालतों में बड़ी संख्या में जजों के पद खाली हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। यदि इन पदों को शीघ्रता से भरा जाए, तो निचले स्तर पर ही मामलों का निपटारा तेजी से हो सकेगा और उच्च अदालतों पर दबाव भी कम होगा। इसके अलावा न्यायिक व्यवस्था में तकनीक का समुचित उपयोग भी समय की मांग है। ई-कोर्ट, वर्चुअल सुनवाई, डिजिटल फाइलिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का प्रभावी इस्तेमाल न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सुलभ बना सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान वर्चुअल कोर्ट की सफलता ने यह साबित किया है कि तकनीक न्याय प्रणाली को आधुनिक और सक्षम बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जो सीधे तौर पर नागरिकों के अधिकारों और विश्वास से जुड़ा हुआ है। न्यायपालिका में सुधार के लिए सरकार, न्यायालय और संबंधित संस्थाओं को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। इसके लिए केवल नीतिगत घोषणाएं ही नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल व कम जटिल बनाने की दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का निर्णय स्वागतयोग्य है, लेकिन इसे व्यापक न्यायिक सुधारों की दिशा में एक शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि निचली अदालतों में रिक्त पदों को भरा जाए और तकनीकी सुधारों को तेजी से लागू किया जाए, तो देश की अदालतों और जजों का बोझ कम हो सकता हे।

दागी माननीयों को सम्मान न देने का सराहनीय कदम

लोकतंत्र में दल कोई सा भी हो, जनप्रतिनिधि का महत्व होता है। वह इसलिए भी कि वह एक तरह से जनता का प्रतिनिधि है। जनप्रतिनिधि का सम्मान भी जनता का ही सम्मान है। इसीलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के स्वागत को लेकर प्रोटोकॉल बनाए गए हैं। गाहे-बगाहे जनप्रतिनिधियों की ये शिकायतें भी सामने आती रहती हैं कि उन्हें अफसर प्रोटोकॉल के अनुरूप सम्मान नहीं देते। इसीलिए जो प्रोटोकॉल बनाए जाते हैं समय- समय पर इनकी अनुपालना के निर्देश भी सरकारी स्तर पर जारी होते रहते हैं। खास तौर पर यह लोकसेवकों को यह याद दिलाने के लिए कि उनको जनप्रतिनिधि के सम्मान में कैसा बर्ताव करना है। स्वागत-सम्मान के तमाम निदेर्शों के बीच जनप्रतिनिधियों से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वे ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले हों।

महाराष्ट्र सरकार के जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में बदलाव का यह फैसला स्वागत योग्य है कि कोई जनप्रतिनिधि दागी और दोषी हैं तो अफसर उन्हें प्रोटोकॉल के अनुरूप सम्मान नहीं देंगे। यानी अफसरों को ऐसे माननीयों के सम्मान में खड़े होने या पुलिस सेल्यूट देने की आवश्यकता नहीं। हमारे देश में कानून सबके लिए बराबर है तो सजा का प्रावधान भी व्यक्ति के आधार पर भेद करने वाला नहीं है। जब कोई जनप्रतिनिधि जो किसी आपराधिक या अन्य मामले में दोषी हो अथवा किसी जांच, अपील व सुनवाई के लिए पक्षकार के रूप में किसी सरकारी अधिकारी के सम्मुख आ रहा हो तो उसके सम्मान में खड़े होने का प्रोटोकॉल सचमुच संबंधित अधिकारी के लिए ऊहापोह भरा हो जाता है। किसी पुलिस अधिकारी को अपने खिलाफ आपराधिक प्रकरण की जांच के सिलसिले में उपस्थित हुए जनप्रतिनिधि को सेल्यूट करना पड़े तो इसे पुलिस का मनोबल कमजोर करने वाला ही कहा जाएगा। ऐसे में यह जरूरी है कि दागी माननीयों के मामले में उनसे संबंधित अधिकारी सामान्य नागरिक की तरह ही व्यवहार करे। चुनाव संबंधी प्रक्रियाओं के दौरान भी इसी तरह के व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। दागी माननीयों को वैसे तो नैतिकता के आधार पर ही ऐसा सम्मान ग्रहण करने की आकांक्षा नहीं रखनी चाहिए। लोकतंत्र में दागी उम्मीदवार जनप्रतिनिधि नहीं बन पाएं इसके लिए जनप्रतिनिधित्व कानून में प्रावधान तो किए गए हैं लेकिन इनमें भी पर्याप्त सुधार की जरूरत है। यह भी देखने में आता है कि कई बार निर्वाचित होने के बाद जनप्रतिनिधियों के खिलाफ हत्या व बलात्कार जैसे संगीन मामले दर्ज हो जाते हैं। हो सकता है कि जांच प्रक्रिया में वे निर्दोष भी साबित हो जाएं लेकिन जब तक कानून की नजर में वे दागदार श्रेणी में आते हैं उन्हें नौकरशाही से सम्मान की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए।सवाल सिर्फ महाराष्ट्र का ही नहीं, समूचे देश में जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल में ऐसा प्रावधान अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए जो महाराष्ट्र सरकार ने किया है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका चुनाव जीतने तक ही सीमित नहीं है बल्कि खुद की छवि स्वच्छ बनाए रखने का उनका अहम दायित्व भी है।

जनादेश का बदलता संदेश राजनीति के नए संकेत

सबसे महत्त्वपूर्ण विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के माने जा रहे थे, जहां 15 साल से तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी मुख्यमंत्री थीं। 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़कर सत्ता हासिल करने वाली ममता अजेय नजर आने लगी थीं। बेशक पिछले चुनाव में लगभग 38 प्रतिशत मतों के साथ 77 सीटें जीतकर भाजपा ने कड़ी चुनौती पेश की थी, लेकिन तृणमूल को इस बार इस तरह सत्ता से बेदखल कर देगी, इसकी उम्मीद शायद ही किसी को रही होगी। अपने पितृपुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में 75 साल लंबे इंतजार के बाद सत्ता का सपना साकार होना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनावी सफलता है।

राजकुमार सिंह

चुनाव सत्ता के दावेदारों की हार-जीत तय करता है, तो कुछ राजनीतिक संदेश भी देता है। हाल में संपन्न एक केंद्रशासित प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने तीन राज्यों में सत्ता परिवर्तन कर दिया, लेकिन राजनीतिक संदेश ज्यादा दूरगामी है। पांच राज्यों का जनादेश जहां दक्षिणपंथी भाजपा के विस्तार का संकेत दे रहा है, वहीं वामपंथी राजनीति की सत्ता से विदाई पर भी मुहर लगा रहा है। मध्यमार्गी राजनीति की प्रासंगिकता के संघर्ष का संदेश भी इसमें पढ़ा जा सकता है।

इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के माने जा रहे थे, जहां 15 साल से तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी मुख्यमंत्री थीं। 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़कर सत्ता हासिल करने वाली ममता अजेय नजर आने लगी थीं। बेशक पिछले चुनाव में लगभग 38 प्रतिशत मतों के साथ 77 सीटें जीतकर भाजपा ने कड़ी चुनौती पेश की थी, लेकिन तृणमूल को इस बार इस तरह सत्ता से बेदखल कर देगी, इसकी उम्मीद शायद ही किसी को रही होगी। अपने पितृपुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृह राज्य में 75 साल लंबे इंतजार के बाद सत्ता का सपना साकार होना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनावी सफलता है।

इस सफलता में 15 साल के ममता शासन के विरुद्ध सत्ताविरोधी भावना और भाजपा की जमीनी मेहनत निर्णायक बनी या एसआइआर की विवादित प्रक्रिया, यह बहस लंबी है। एसआइआर और चुनाव प्रक्रिया में केंद्रीय सुरक्षा बलों की अभूतपूर्व भूमिका से चुनाव चोरी का आरोप लगाते हुए ममता द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार से उत्पन्न जटिल स्थिति का समाधान तो राज्यपाल आर. एन. रवि को करना है, जिन्हें विधानसभा चुनाव से कुछ ही पहले तमिलनाडु से वहां भेजा गया, लेकिन विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख के लिए यह शुभ संकेत नहीं। 2021 में दिया 200 पार का नारा भाजपा ने इस बार वाकई सच कर दिखाया और ममता बनर्जी को उनकी परंपरागत सीट भवानीपुर से हराते हुए तृणमूल को मात्र 81 सीटों पर समेट दिया।

बेशक बंगाल की जीत भाजपा के लिए ऐतिहासिक है, लेकिन असम में सत्ता की हैट्रिक भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। भाजपा मत प्रतिशत और सीटों दोनों में बढ़त बनाने में सफल रही है जबकि कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा। बंगाल और असम के चुनाव परिणाम इसलिए खास हैं कि दोनों ही राज्यों में मुस्लिम आबादी भाजपा विरोधी दलों के पक्ष में मतदान करने के लिए जानी जाती है। भाजपा ने तीसरी जीत पुदुचेरी में हासिल की है। पुदुचेरी की जीत राष्ट्रीय समीकरण की दृष्टि से इन चुनाव परिणामों के स्कोर को 3-1 से राजग के पक्ष में झुका देती है, जो पहले विपक्षी गठबंधन 'इंडियाइ के पक्ष में 3-2 से झुका हुआ था।

बेशक हर चुनाव में सरकार बदल देने की परंपरा केरल ने 2021 में तोड़ दी थी, जब मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के नेतृत्व में वामपंथी एलडीएफ ने और भी ज्यादा सीटें जीतते हुए सत्ता बरकरार रखी, लेकिन इस बार कांग्रेसनीत यूडीएफ की जीत के संकेत मिल रहे थे। फिर भी ऐसे प्रचंड बहुमत की उम्मीद खुद यूडीएफ ने भी नहीं की होगी। कांग्रेस ही इस बार 42 सीटें ज्यादा जीत गई। केरल का यह जनादेश एक दशक बाद सत्ता परिवर्तन से भी ज्यादा अहम इसलिए है कि भारत की सत्ता राजनीति में वामपंथ का अंतिम दुर्ग भी ढह गया है।

पश्चिम बंगाल के बाद सबसे चौंकाने वाले चुनाव परिणाम तमिलनाडु ने दिए हैं, जहां थलापति विजय की लहर ने द्रविड़ राजनीति के छह दशक पुराने दुर्ग को ध्वस्त कर दिया। बेशक तमिलनाडु में फिल्मी सितारों की राजनीति की परंपरा रही है। अन्नाद्रमुक के एमजी रामचंद्रन और जयललिता का जादू तो सिर चढ़ कर बोला। विजय की नई नवेली पार्टी टीवीके का पहले ही चुनाव में विधानसभा की 234 में से 108 सीटें जीत जाना उनकी 'जन नायक' की छवि पर मुहर लगाता है। विजय के मुख्यमंत्री बनने में तो कोई संदेह नहीं, पर बहुमत के लिए जरूरी 118 का आंकड़ा पाने के लिए किसका समर्थन लेंगे, यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा। कांग्रेस समेत छोटे दलों के समर्थन से भी यह आंकड़ा जुटाया जा सकता है, लेकिन सरकार पर दबाव और अस्थिरता की तलवार लटकी रहेगी।

जनादेश के बाद अब राजनीतिक दलों के नेतृत्व की परीक्षा होगी कि वे किसे मुख्यमंत्री या नेता प्रतिपक्ष चुनते हैं। बंगाल में तृणमूल से आए सुवेंदु अधिकारी ही ममता को आक्रामक चुनौती देते दिखे, लेकिन भाजपा अप्रत्याशित चयन के लिए ज्यादा जानी जाती है। असम में हिमंता को दूसरी पारी मिलने में संदेह का कोई कारण नहीं दिखता। पुदुचेरी में रंगासामी ही राजग के नेता हैं। हां, केरल में कांग्रेस के लिए नए मुख्यमंत्री का चयन आसान नहीं होगा। कम-से-कम तीन दावेदार हैं रमेश चेन्निथला, के सी वेणुगोपाल और वी डी सतीशन। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केरल में नेता प्रतिपक्ष और गृह मंत्री भी रह चुके चेन्निथला सबसे अनुभवी हैं। इस चुनाव में भी अभियान समिति के अध्यक्ष वही थे। दूसरी ओर निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सतीशन 2011 से लगातार विधायक हैं, जबकि मनमोहन सिंह सरकार में केंद्रीय ऊर्जा और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री रह चुके वेणुगोपाल की राहुल गांधी से निकटता किसी से छिपी नहीं है।

सिल्वर इकोनॉमी : बुजुर्गों की देखभाल को केवल बाजार न समझें

बुजुर्गों के लिए आवासीय परिसरों (सीनियर केयर होम्स) की सख्त आवश्यकता है, जहां न केवल उन्हें आवास, भोजन, सामान्य चिकित्सा सेवाएं, देखभाल और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों, बल्कि सामुदायिक जीवन (कम्युनिटी लिविंग) के जरिए उनके अकेलेपन को भी दूर किया जा सके। वे जीवन के अंतिम चरण में अपने हमउम्र लोगों के सानिध्य में सम्मानपूर्वक समय व्यतीत कर सकें।

आरके विजय

वैश्विक स्तर पर बुजुर्गों की तेजी से बढ़ती संख्या एक अहम सामाजिक सरोकार ही नहीं, बल्कि नीति-निर्धारकों के लिए भी बड़ी चुनौती है। भारत में भी बदलते सामाजिक तथा आर्थिक परिवेश के चलते बहुत से बुजुर्गों की समुचित देखभाल का अभाव चिंता का विषय बनता जा रहा है। नीति आयोग के वर्ष 2024 में जारी पेपर सीनियर केयर रिफॉर्म्स इन इंडिया के अनुसार भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की आबादी करीब 10.4 करोड़ है। यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड के अनुसार वर्ष 2050 तक यह संख्या 31.9 करोड़ (कुल जनसंख्या का 19.5 प्रतिशत) तक पहुंचने का अनुमान है।

संयुक्त परिवार व्यवस्था के लगभग ध्वस्त हो जाने तथा बच्चों के शिक्षा, रोजगार और विवाह आदि कारणों से होने वाले प्रवासन (माइग्रेशन) के बीच बहुत से बुजुर्ग अकेले जीवन बिताने को विवश हैं। आर्थिक रूप से सक्षम बुजुर्गों की देखभाल सिल्वर इकोनॉमी के जरिए कुछ हद तक संभव हो पाती है। बुजुर्गों की विशिष्ट जरूरतों, उपभोग और क्रय-क्षमता को लक्षित करने वाली आर्थिक प्रणाली को सिल्वर इकोनॉमी कहा जाता है। यह व्यावसायिक व्यवस्था बुर्जुगो को आश्रितों के बजाय सक्रिय उपभोक्ता के रूप में देखती है तथा उनकी आवश्यकताओं को एक बड़े अवसर और बाजार के रूप में प्रस्तुत करती है। इसका लक्षित समूह मुख्यतः आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग है। नीति आयोग के पेपर के अनुसार भारत में वर्ष 2024 में सिल्वर इकोनॉमी का आकार लगभग 73,082 करोड़ रुपए था। एक अन्य अनुमान के अनुसार वर्ष 2030 तक इसके 4,50,000 करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है।

ऐसे बुजुर्गों के लिए आवासीय परिसरों (सीनियर केयर होम्स) की सख्त आवश्यकता है, जहां न केवल उन्हें आवास, भोजन, सामान्य चिकित्सा सेवाएं, देखभाल और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों, बल्कि सामुदायिक जीवन (कम्युनिटी लिविंग) के जरिए उनके अकेलेपन को भी दूर किया जा सके। वे जीवन के अंतिम चरण में अपने हमउम्र लोगों के सानिध्य में सम्मानपूर्वक समय व्यतीत कर सकें। दुर्भाग्य से सिल्वर इकोनॉमी का इस क्षेत्र की ओर अपेक्षित ध्यान नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि आतिथ्य सत्कार उद्योग (हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री) को इसमें निवेश अधिक और आय कम होने की आशंका है, इसलिए अब तक इस दिशा में व्यापक स्तर पर पहल नहीं हो सकी है।

पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के जरिए इस समस्या का काफी हद तक समाधान किया जा सकता है। ऐसे परिसरों की स्थापना के लिए सरकार निशुल्क अथवा नाममात्र की दरों पर जमीन उपलब्ध कराए, जबकि इनका संचालन करने वाले उद्यमी मूलभूत ढांचा तैयार करें। इन परिसरों में उपलब्ध आवासों को दो भागों में बांटा जा सकता है। एक बड़ा हिस्सा उन बुजुर्गों के लिए पूर्णतः व्यावसायिक आधार पर संचालित हो, जो सुविधाओं का निर्धारित शुल्क चुका सकें। वहीं दूसरा हिस्सा बड़ी हाउसिंग सोसायटियों में अल्प आय वर्ग के लिए आरक्षित आवासों की तर्ज पर कम संसाधनों वाले बुजुर्गों के लिए रियायती (सब्सिडाइज्ड) शुल्क पर उपलब्ध कराया जाए। आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को दी जाने वाली सुविधाओं के लिए सरकार कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड्स को इस दिशा में मोडने. के प्रभावी उपाय कर सकती है।

व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए धनार्जन के साथ व्यवसाय जगत की कुछ सामाजिक जिम्मेदारियां भी होती हैं। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री को फिलहाल सीनियर केयर होम्स में भले ही आशानुरूप लाभ प्राप्त न हो, लेकिन सामाजिक जिम्मेदारियों को देखते हुए ऐसे अधिक से अधिक होम्स स्थापित करने के ईमानदार प्रयास होने चाहिए। निकट भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए भारत में व्यावसायिक आधार पर संचालित सीनियर केयर होम्स उद्योग भी लाभप्रद साबित होगा, ऐसी आशा की जा सकती है।

प्रेम अधिकार है या समर्पण

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

क्या आपने कभी विचार किया है कि जिस सुंदर वस्तु को आप पाने की कोशिश करते हैं, उसे पाते ही उसकी सुंदरता मर क्यों जाती है? हम जिसे प्रेम कहते हैं, अकसर वह अपना अधिकार जमाने की एक कोशिश मात्र होती है। जब आप सौंदर्य को देखते हैं, तो आपके भीतर कुछ घटित होता है। मानो जीवन ऊर्जा का कोई अवरुद्ध स्रोत अचानक खुल जाता हो, जैसे कोई झरना फूट पड़े। वह आपको रोमांच और आनंद से भर देता है और फिर अगला भाव आता है, उसे अपने अधिकार में लेने की इच्छा। आप किसी सुंदर वस्तु को देखते हैं या किसी आकर्षक व्यक्ति को देखते हैं, तो भीतर कुछ जाग उठता है। मन बहुत अच्छा महसूस करता है, लेकिन अगले ही क्षण मन उसे पाने को लालायित हो जाता है। अधिकार की भावना से ही समस्या-यहीं से समस्या शुरू होती है। जिस क्षण आप सौंदर्य को अधिकार में लेने की कोशिश करते हैं, उसी क्षण आप उसे कुरूप बना देते हैं। आप देखेंगे, सुंदर पत्नी होने पर भी पुरुष बाहर और सुंदरता खोजता रहता है या स्त्रियां अन्य आकर्षक व्यक्तित्व के पुरुषों की तलाश करती दिखाई देती हैं। इसका अंत कहां है? जिस क्षण आप किसी चीज को पा लेते हैं, उसका आकर्षण समाप्त हो जाता है। फिर अगली खोज शुरू हो जाती है। पूरा जीवन इसी मृगतृष्णा के पीछे दौड़ बन जाता है और यदि आप इस दौड़ में न भागें, यदि खोज न करें, तो जीवन सूना लगने लगता है। न आकर्षण रहता है, न आनंद, न सौंदर्य। जब दौड़ नहीं होती, तो जीवन नीरस प्रतीत होता है।

क्या करें- जब आप सौंदर्य देखें, तो उसे नमन करें, उसके प्रति समर्पित हो जाएं। यदि आप सौंदर्य के प्रति समर्पण नहीं करते, तो आप उसे अधिकार में लेना चाहते हैं। लेकिन हम सौंदर्य को कैसे अपने अधिकार में ले सकते हैं। जो आपसे बड़ा है, उसे आप कैसे अपना बना सकते हैं। ईश्वर सर्वाधिक सुंदर है। हम ईश्वर का सबसे सुंदर रूप स्त्री या पुरुष के रूप में कल्पित करते हैं और फिर उसकी उपासना करते हैं। उस क्षण अधिकार की भावना स्वतः विलीन हो जाती है। ईश्वर सदा युवा है, सदा नवीन। मुझे तो ईश्वर बहुत शरारती लगते हैं, उन्हें आनंद और खेल बहुत प्रिय है! शायद इसीलिए उसने संसार में इतना खेल रचा है, चिंताएं भी उसी खेल का हिस्सा हैं।

आपके पत्र

एक वोट की ताकत

लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि जन-जन की भागीदारी का जीवंत प्रतीक है। इसमें हर नागरिक का वोट समान महत्व रखता है, चाहे वह गरीब हो या अमीर, शिक्षित हो या अशिक्षित। हाल ही में तमिलनाडु की तिरुपत्तूर विधानसभा सीट का परिणाम इस सत्य को फिर से प्रमाणित करता है, जहां मात्र एक वोट के अंतर से चुनाव का परिणाम तय हुआ।

टीवीके के उम्मीदवार सीनिवसा सेतुपति आर ने डीएमके के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री केआर पेरियाकरुप्पन को केवल एक वोट से हराया। यह घटना केवल एक चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गहराई और उसकी शक्ति का सशक्त संदेश है। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार लोकसभा में विश्वास मत के दौरान केवल एक वोट से गिर गई थी। उस एक वोट ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी।

सुभेंदु अधिकारी

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

जिला आरसीएच पदाधिकारी ने विशेष टीकाकरण अभियान का किया निरीक्षण

साहिबगंज : जिला आरसीएच पदाधिकारी, साहिबगंज द्वारा तलझारी प्रखंड अंतर्गत पोखरिया पहाड़ क्षेत्र में संचालित ओएनइ डब्ल्यूइइकेओएनइ सीएचसी विशेष टीकाकरण अभियान का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभियान की प्रगति सत्र संचालन टीकाकरण व्यवस्था और मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की गई। सघन सर्वेक्षण के उपरांत सीएचसी में कुल 05 विशेष टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया गया। ताकि छूटे हुए एवं ड्रॉपआउट बच्चों गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर टीकाकरण से आच्छादित किया जा सके।निरीक्षण के क्रम में लेबर रूम एवं लेबर रजिस्टर की जांच की गई । संबंधित सिएचओ सीएचओ एएनएम स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया गया कि सभी नवजात शिशुओं को जन्म के 24 घंटे के भीतर जन्म डोज टीके भीआईएएमआईएन के पोलियो एच इपीएटीआईटीआईएस-बी व बीईसीईजी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि संस्थागत प्रसव के पश्चात किसी भी नवजात का टीकाकरण लंबित न रहे। इसके अतिरिक्त एएनसी रजिस्टर का अवलोकन करते हुए रजिस्टर को अद्यतन व सुव्यवस्थित रूप से संधारित करने का निर्देश दिया गया। सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी जांच सुनिश्चित करने, पीएमएसएमएपी दिवस का नियमित एवं प्रभावी संचालन करने तथा एच आरपी महिलाओं की पहचान कर उनका नियमित फॉलोअप एवं आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराने हेतु संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया गया।निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार टीकाकरण कवरेज बढ़ाने तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु क्षेत्रीय स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

10 से 12 मई तक सीनियर रैंकिंग नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप पर सेमिनार

साहिबगंज : जिला के 4 पहलवान नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में दिखाएंगे दम-खमउत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित नंदिनी नगर में 10 से 12 मई तक आयोजित होने वाली सीनियर रैंकिंग नेशनल रेसलिंग चैंपियन शिप के लिए साहिबगंज के चार प्रतिभाशाली पहलवानों का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व निम्नलिखित खिलाड़ी करेंगे:रूपाली कुमारी: 53 किग्रा भार वर्गरोशनी कुमारी: 57 किग्रा भार वर्गगुंजन यादव 61 किग्रा भार वर्गअंगद यादव: 74 किग्रा भार वर्गयह पूरी टीम नेशनल कोच सुशांत सौरव के नेतृत्व और साहिबगंज जिला कुश्ती संघ की सचिव नमिता शर्मा अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती कोच के मार्गदर्शन में हिस्सा लेने जा रही है।आशा है कि ये खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। वहीं डॉ रणजीत कुमार सिंह जिला खो खो संघ के अध्यक्ष सह पूर्व खेल निदेशक सिदो कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने कहा कुश्ती प्रतियोगिता भारतीय पारंपरिक खेल है जिसमें बल बुद्धि स्किल और तकनीक के जरिये खिलाड़ी आपना अनुशासित प्रदर्शन करते हैं।सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं ।

अवैध हथियार फैक्ट्री का पदार्फाश बिहार एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

साहिबगंज : जिले के रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ आमगाछी गांव में पुलिस और बिहार एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में अवैध मिनी हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक दर्जन से अधिक आधे बने अवैध हथियार, तीन लेथ मशीन, लोहा पिघलाने की मशीन सहित भारी मात्रा में उपकरण बरामद किए हैं।बताया जा रहा है कि इस पूरे नेटवर्क का खुलासा बिहार की राजधानी पटना में अवैध हथियार के साथ पकड़े गए एक युवक की गिरफ्तारी के बाद हुआ। युवक से पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर बिहार एसटीएफ ने साहिबगंज पुलिस के साथ संयुक्त टीम गठित कर रांगा थाना क्षेत्र के केंदुआ आमगाछी में छापेमारी की।पुलिस जब बताए गए घर तक पहुंची तो मकान बंद मिला। इसके बाद टीम ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।तलाशी के दौरान वहां हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और बड़ी संख्या में आधे तैयार हथियार बरामद हुए। हालांकि छापेमारी के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त घर में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं। बताया जा रहा है। कि यह मकान बिहार के एक व्यक्ति ह्लवकीलह्व का है।मौके पर बरहरवा एसडीपीओ नितिन कुमार खंडेलवाल बरहरवा इंस्पेक्टर संतोष कुमार राणा रांगा थाना प्रभारी गौरव कुमार भगत बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह सहित बिहार एसटीएफ और पुलिस के कई अधिकारी मौजूद थे।पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए झारखंड और बिहार में फैले अवैध हथियार नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

लाभुक विद्यार्थियों की सूची दस दिनों में विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

लंबित कुल 38 मामलों में समन्वय स्थापित करते हुए समय पर प्रतिशपथ-पत्र दायर करना सुनिश्चित करें

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समन्वय समिति सह जिला टास्क फोर्स खनन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों विकास योजनाओं, सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल खनन व जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जबकि उपायुक्त ने सर्वप्रथम माननीय उच्च न्यायालय में दायर मामलों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कुल 38 मामलों में समन्वय स्थापित करते हुए समय पर प्रतिशपथ-पत्र दायर करना सुनिश्चित करें।साथ ही अवमानना के मामले में सभी पदाधिकारियों को विशेष अभिरुचि लेते हुए यथाशीघ्र कारणपृच्छा दाखिल करने का निर्देश दिया।जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में जानकारी दी गई कि प्रखंड मंडरो अंतर्गत पीएम जनमन योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। इस पर उपायुक्त ने अंचलाधिकारी मंडरो को यथाशीघ्र भूमि चिन्हित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही जिले के सभी अंचलाधिकारियों को आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु शीघ्र भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अगले 45 दिनों के भीतर निमार्णाधीन आंगनबाड़ी भवनों को पूर्ण कराने तथा आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिसमें जिला पर्यटन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर साफ-सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु पर्यटन प्रबंधन क्लब के गठन को लेकर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को पत्र भेजा गया है, परंतु अधिकांश प्रखंडों से प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर उपायुक्त ने सभी बीडीओ को पर्यटन प्रबंधन क्लब का गठन कर यथाशीघ्र प्रतिवेदन जिला खेल कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभुक विद्यार्थियों की सूची 10 दिनों के भीतर संबंधित विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे कल्याण विभाग के आवासीय विद्यालयों एवं समाज कल्याण विभाग के आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित पर्यवेक्षण कर सभी मानकों की जांच सुनिश्चित करें।शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच कराई जानी है। इस पर उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि अगले 15 दिनों के अंदर विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं।सहकारिता विभाग की समीक्षा में बताया गया कि विभिन्न प्रखंडों में 100 एमटी गोदाम निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध नहीं हो सकी है। उपायुक्त ने इस संबंध में अपर समाहर्ता को आवश्यक त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।बैठक में अन्य कई अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित मामलों पर गहन चर्चा की गई तथा जनहित में टीइएएम वर्क के तौर पर वैसे मामलों को चिन्हित कर समयबद्ध तरीके से उनके निष्पादन करने का निर्देश दिया गया ।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, सदर एसडीपीओ विजय कुस्वाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित थाना प्रभारी उपस्थित थे।

समय रहते दुर्घटनाओं की संभावना वाले उन पेड़ों को हटाएं : उपायुक्त

अंचलाधिकारियों को सड़क किनारे स्थित सूखे और जर्जर पेड़ों की सूचना वन विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे।बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों की भी गंभीरता से समीक्षा की गई। बैठक में संज्ञान में लाया गया कि साहेबगंज स्थित संत जेवियर स्कूल के समीप नो एंट्री जोन होने के बावजूद ट्रैक्टर व अन्य मालवाहक वाहनों का आवागमन जारी है। जिससे विद्यालय खुलने एवं छुट्टी के समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इस पर उपायुक्त ने पूर्वाह्न 5:00 बजे से बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालयों के आस-पास जाम की संभावना वाली जगहों पर पुलिस बल होमगार्ड चौकीदार की अभिलंब प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा द्वारा बोरना पहाड़ मार्ग एवं बरहेट थाना के समीप ब्लाइंड स्पॉट वाले क्षेत्रों में दुर्घटना की संभावना की जानकारी दी गई।बैठक में हिट एंड रन मामलों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2025 में कुल 35 मामलों में 30 मामलों में आश्रितों को भुगतान हो चुका है सिर्फ 05 मामला भुगतान हेतु जीआईसी स्तर पर लंबित है। वर्ष 2026 में 07 हिट एंड रन का दुर्घटना घटी और सभी दुर्घटनाओं से संबंधित मामला थाना स्तर पर लंबित है। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिलाने हेतु हिट एंड रन से संबंधित आवेदन समय पर विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।आगामी मानसून को देखते हुए उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को सड़क किनारे स्थित सूखे और जर्जर पेड़ों की सूचना वन विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।ताकि समय रहते उन पेड़ों को हटाने की कार्रवाई कर दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी, सदर एसडीपीओ विजय कुस्वाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में डीसी ने दिए निर्देश

अवैध उत्खनन परिवहन पर कठोर कार्रवाई का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह उपस्थित थे। उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निर्णय का अनुपालन के संदर्भ में विचार विमर्श किया ।उन्होंने साहेबगंज जिला अर्न्तगत सभी अनाधिकृत चिमनी भट्टों को अविलंब नोटिस निर्गत करने एवं सभी प्रकार की क्लीयरेंस नियत समय के भीतर प्राप्त नहीं करने की स्थिति में नियमानुसार करने का निर्देश दिया तथा चिमनी भट्टा में प्रयोग होने वाले मिट्टी के अवैध परिवहन पर रोकथाम लगाने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने साहिबगंज जिला अर्न्तगत ईंट बालू पत्थर एवं मिट्टी परिवहन कर्ता का जिला अनुमण्डल स्तरीय खनन टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से जाँच एवं कार्यवाही हेतु निर्देश दिया।जिला अर्न्तगत संचालित खनन नाकों के नियमित पर्यवेक्षण एवं निगरानी हेतु जिला एवं अनुमण्डलीय स्तरीय खनन टास्क फोर्स सदस्यों को निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी प्रकार के अवैध उत्खनन परिवहन की शिकायत जानकारी प्राप्त होते ही त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी, साहेबगंज को निर्देश दिया कि पत्थर बालू एवं मिट्टी परिवहन की वैधता व चालान का सुचारू रूप से जाँच करें एवं जाँच के दौरान, खनिज पूर्ण रूप से ढका गया है कि नहीं, गाड़ियों को एमओडीआईएफवाई एएलटीइआर तो नहीं किया गया है। क्षमता के अनुरूप ही परिवहन सुनिश्चित करें।साथ ही माननीय एनजीटी के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग।उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नु कुमार मिश्रा, सदर एसडीपीओ विजय कुस्वाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व वार्ड नंबर सात में बड़े नाला का सफाई अभियान युद्ध स्तर पर तेज कर दी

साहिबगंज : बरसात से पूर्व वार्ड नंबर 07 में बड़े नाला का सफाई अभियान युद्ध स्तर पर तेज कर दी गई है, लंबे समय से नाला जाम रहने के कारण रोड पर जल जमाव जैसी समस्याएं आती रही है इसलिए सफाई कर्मियों के साथ कर्मचारी पदाधिकारी एवं वार्ड पार्षद के सहयोग से युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है।साथ ही वार्ड के सभी खराब पड़े बिजली पोल मैं लगी लाइट की मरम्मती कर वार्ड में प्रकाश की उत्तम व्यवस्था करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है इस अभियान में नागरिकों से भी वार्ड पार्षद सुनीता सिन्हा घूम घूम कर अनुरोध कर नाला में कचरा फेंकने के लिए वर्जित किया जा रहा है।एन एच-80 पर गलत निर्माण के चलते पुराने नाला से नहीं जोड़ने की वजह से पानी का निकास बाधित हो रहा है,संवेदक ने पूरे नाला को डस्टबिन के रूप में बनाकर छोड़ दिया है।जिससे रोड के दोनों ओर जल का निकास बाधित है।और रोड पर बरसात में पानी आ जाता है।उच्च अधिकारियों ने बिना जांच के ही संवेदक को भुगतान भी कर दिया होगा विकास नहीं होने के कारण नगर परिषद सफाई कर्मचारी को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।जगह-जगह लोगों ने नाला के ऊपर प्लेटफार्म बना दिया है।जिसके चलते भी नाला बाधित है ऐसे में नगर परिषद को शहर भ्रमण कर नल के कठिनाइयों को दूर करने की दिशा में तकनीकी निर्णय लेते हुए विकास की व्यवस्था पर अभिलंब निर्णय लेना होगा,नाला निर्माण का स्वच्छ स्वरूप तय करना होगा,तभी शहर का विकास संभव है,वार्ड भ्रमण के क्रम में वार्ड पार्षद सुनीता सिहां के साथ पूर्व पार्षद जयप्रकाश सिहांभी उपस्थित थे।

चौथे दिन भी जारी रहा शेरशाहबादी समुदाय का महाधरना, प्रशासन के खिलाफ बढ़ा आक्रोश

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र पुनः निर्गत करने की मांग को लेकर बरहरवा प्रखंड मुख्यालय परिसर में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के बैनर तले चल रहा अनिश्चितकालीन महाधरना गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। लगातार चार दिनों से समुदाय के लोग धरनास्थल पर डटे हुए हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होने पर लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा, बुजुर्ग एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने हमें हमारा हक दो शेरशाहबादी प्रमाण पत्र जारी करोह्न, ह्लप्रशासन होश में आओ जैसे नारों के साथ अपनी आवाज बुलंद की।धरना को संबोधित करते हुए संगठन के सदस्य आमिर हमजा ने कहा कि शेरशाहबादी समुदाय झारखंड सरकार की ओबीसी सूची में शामिल है, इसके बावजूद समुदाय के लोगों को वर्षों से जाति प्रमाण पत्र से वंचित रखा जा रहा है। इसका सबसे अधिक असर छात्रों और युवाओं पर पड़ रहा है।जो शिक्षा प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहे हैं।

जियाउद्दीन शेख ने कहा कि वर्ष 2012 तक नियमित रूप से शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता था, लेकिन उसके बाद अचानक प्रक्रिया बंद कर दी गई। समुदाय कई वर्षों से प्रशासन और सरकार के समक्ष अपनी मांग रखता आ रहा है, मगर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है।धरना स्थल से वक्ताओं ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि समुदाय अब अपने अधिकारों के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार है।आंदोलनकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा। साथ ही समाज के लोगों से अधिक संख्या में धरनास्थल पहुंचकर आंदोलन को मजबूत करने की अपील की गई।मौके पर फैयाज अहमद, अब्दुल जब्बार, सोएब अख्तर, मुस्लेहूद्दीन, महफूज आलम, मिन्हाद आलम, महबूब आलम, मोतस्सिम बिल्ला, अफताब आलम, इमतियाज आलम, तौफीक आलम, हसन अली, इंजामुल हक, फैयाज अहमद व अन्य शामिल थे।

अपनी ही मौत की झूठी खबर सुनकर फूटा शक्ति कपूर का गुस्सा, कहा -

मैं पूरी तरह से स्वस्थ और खुश हूं, फेक न्यूज फैलाना बंद करो

वीरवार की रात को एक फोटो वायरल हुई, जिसने सारी इंडस्ट्री में सनसनी फैला दी। उस फोटो में बॉलीवुड के मशहूर एक्टर शक्ति कपूर के मौत की खबर दी हुई थी। जैसे ही ये फोटो इंटरनेट पर आई, हर तरफ सनसनी मच गई। एक के बाद एक हर किसी ने इस की तरह की फोटोज डालना शुरू कर दिया।

इसके बाद ही शक्ति कपूर ने अपने ऑफिसियल पेज से एक वीडियो पोस्ट की। इस वीडियो में उन्होंने अपने हेल्थ की जानकारी दी। इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा कि जो भी ये खबर फैला रहा है बिलकुल झूठ है। इसी के साथ उन्होंने कहा जो भी व्यक्ति इस तरह का मजाक कर रहा है, उसे बक्शा नहीं जाएगा। शक्ति कपूर ने कहा है कि वो जल्द ही इसकी रिपोर्ट पुलिस में करेंगे।

पीकू के 11 साल: दीपिका पादुकोण के सिंपल और एलीगेंट स्टाइल ने जीता हर महिला का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने शानदार अभिनय और लगातार सुपरहिट फिल्मों के दम पर खुद को इंडस्ट्री की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर लिया है। करीब 10,000 करोड़ रुपये के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ दीपिका भारतीय सिनेमा पर लगातार अपना दबदबा बनाए हुए हैं। उनकी कई यादगार फिल्मों में पीकू एक ऐसी फिल्म है, जिसने दर्शकों के दिलों को गहराई से छुआ।

फिल्म को रिलीज हुए 11 साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन दीपिका द्वारा निभाया गया पीकू का किरदार आज भी लोगों को बेहद करीब और वास्तविक महसूस होता है। एक स्वतंत्र, जिम्मेदार और मजबूत इरादों वाली बेटी के रूप में उनका किरदार करियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने वाली आधुनिक भारतीय महिला की सच्ची तस्वीर पेश करता है।

सादगी में छिपा था पीकू का असली स्टाइल: अभिनय के साथ-साथ फिल्म में दीपिका का फैशन और स्टाइल भी खूब चर्चा में रहा। मिट्टी के रंगों वाले कॉटन कुर्ते, हल्की साड़ियां, छोटी बिंदी और काजल से सजा उनका सिंपल लुक हर महिला को बेहद पसंद आया। ह्यपिकूह्ल का फैशन आज भी उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो सादगी में खूबसूरती तलाशती हैं।

मिट्टी के रंगों वाला कुर्ता लुक बना फैशन स्टेटमेंट: फिल्म में दीपिका ने कई ऐसे एकरंगी कुर्ता लुक्स कैरी किए, जिनमें परंपरा और मॉडर्न स्टाइल का शानदार मेल देखने को मिला। आरामदायक पलाजो, कढ़ाई वाली जुत्तियां और छोटी बिंदी ने उनके देसी अंदाज को खास बनाया। वहीं बड़े सनग्लासेस ने उनके पारंपरिक लुक में मॉडर्न टच जोड़ दिया।

गुलाबी कुर्ते और डेनिम में दिखीं बेहद आकर्षक: एक सीन में दीपिका गुलाबी छोटे कुर्ते और सिंपल डेनिम जींस में नजर आईं। हल्के रंग का दुपट्टा, भूरे रंग का हैंडबैग और उनका पसंदीदा सनग्लासेस इस बात को दिखाता है कि उनका स्टाइल बेहद सहज और वास्तविक था। यही वजह है कि उनका यह लुक आज भी युवतियों के बीच लोकप्रिय है।

साड़ी वाले लुक ने जीता दर्शकों का दिलः फिल्म का सबसे यादगार फैशन मोमेंट दीपिका का सिंपल साड़ी लुक रहा। क्लासिक ब्लैक ब्लाउज, बड़े झुमके, हल्का मेकअप, बिंदी और काजल ने उनके इस अंदाज को बेहद खूबसूरत और सदाबहार बना दिया। यह ऐसा लुक था जिसे हर महिला आसानी से अपनाना चाहती है।

आरामदायक टी-शर्ट्स में भी दिखा स्टाइलः पीकू में दीपिका सिर्फ ट्रेडिशनल कपड़ों में ही नहीं, बल्कि आरामदायक टी-शर्ट्स और प्रिंटेड शर्ट्स में भी नजर आईं। उनका यह कैजुअल फैशन हर आम महिला की रोजमर्रा की पसंद जैसा लगा आरामदायक, सिंपल और स्टाइलिश।

आने वाली फिल्मों को लेकर भी बढ़ा उत्साहः पीकू के 11 साल पूरे होने के साथ ही दीपिका पादुकोण अपने करियर के एक और बड़े दौर की तैयारी में हैं।

'सरके चुनर' विवाद पर नोरा फतेही ने महिला आयोग से मांगी माफी, बोलीं ...'अब नहीं करूंगी ऐसे ऑइटम...'

राष्ट्रीय महिला आयोग के द्वारा आखिरी चेतावनी के बाद आज नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। सरके चुनर विवाद में नोरा फतेही ने लिखकर अपनी गलती की माफी मांगी और इसी के साथ यह भी फैसला किया की अब वो इस तरह का कोई भी गाना नहीं करेंगी, जिसमें किसी की भावना को ठेस पहुंचे।

अनाथ बच्चों की पढ़ाई का लिया फैसला : इसी के साथ नोरा ने यह भी फैसला लिया अपनी इस गलती का भुगतान करने के लिए वो अनाथ बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठाएंगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी गलती की माफी मांगी। नोरा के अनुसार उनका इरादा किसी का भी दिल दुखाने का नहीं था, जो भी हुआ अनजाने में हुआ। इसी के साथ बाहर निकलते समय उन्होंने कहा कि अचानक से उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया गया है। मैंने माफी मांग ली है और वो लोग बहुत दयालु हैं, उन्होंने मुझे माफ कर दिया है।

इससे पहले संजय दत्त ने मांगी थी माफी : इससे पहले 27 अप्रैल को संजय दत्त महिला आयोग के सामने पेश हुए थे और उन्होंने अपनी गलती को लेकर माफी मांगी। इसी के साथ उन्होंने 50 आदिवासी बेटियों की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का फैसला लिया। इस दिन नोरा की जगह उनका वकील आया था,इस वजह से उन्हें आज आकर सबके सामने माफी मांगनी पड़ी।

प्रियंका चोपड़ा को इंस्टाग्राम पर झटका; 11,45,124 फॉलोअर्स घटे

सोशल मीडिया की दुनिया में इंस्टाग्राम लोगों का सबसे फेवरेट प्लेटफॉर्म बन चुका है। लोग अपने फोटो, वीडियो और रील्स के जरिए लाखों लोगों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं और इसके जरिए जमकर कमाई भी कर रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे इसकी लोकप्रियता बढ़ी है, वैसे-वैसे फर्जी अकाउंट और बॉट्स की समस्या भी बढ़ती गई है। इसी समस्या को खत्म करने के लिए इंस्टाग्राम ने साल 2026 में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने बड़े पैमाने पर एक सफाई अभियान चलाया, जिसमें लाखों ऐसे अकाउंट हटाए गए, जो या तो लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहे थे या फिर पूरी तरह से फर्जी और ऑटोमेटेड थे। इंस्टाग्राम की इस कार्रवाई के बाद कई बड़े सेलिब्रिटी, इन्फ्लुएंसर और ब्रैंड्स के फॉलोअर्स की संख्या में अचानक गिरावट देखने को मिली है। कई टॉप सेलेब्स के फॉलोअर्स रातोंरात लाखों में कम हो गए। इस सफाई अभियान से एक्ट्रेस और बिजनसवूमन काइली जेनर से करीब 14 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स साफ हो गए। बताया जा रहा है कि सेलेना गोमेज के भी लगभग छह मिलियन फॉलोअर्स इसी सफाई की वजह से कम हो गए। इनके अलावा एरियाना ग्रांडे , बियॉन्से, टेलर स्विफ्ट , जस्टिन बीबर, विराट कोहली, प्रियंका चोपड़ा जैसे कई अन्य सिलेब्रिटीज हैं, जिनके फॉलोअर्स रातों-रात धम्म से निचे गिर गए। बताया जा रहा है कि जहां प्रियंका चोपड़ा के ऑलोअर्स की संख्या पहले करीब 94,558,158 थी, वो अब घटकर 93,413,034 रह गई है। उनके अकाउंट से करीब 1,145,124 फॉलोअर्स साफ हो गए हैं, जो फेक थे।

द साइलेंट सेवियर गवर्नर का दमदार टीजर रिलीज, मनोज बाजपेयी निभाएंगे आरबीआई गवर्नर का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म द साइलेंट सेवियर गवर्नर का पोस्टर सामने आने के बाद से ही फिल्म चर्चा में बनी हुई थी। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी रिलीज कर दिया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। टीजर में एक गंभीर और प्रभावशाली कहानी की झलक देखने को मिलती है, जो देश के आर्थिक इतिहास के एक अहम दौर को पर्दे पर लाने वाली है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित है फिल्म की कहानीः द साइलेंट सेवियर गवर्नर सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जो 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट यानी इकोनॉमिक मेल्टडाउन की कहानी को दिखाती है।

भारत आर्चरी वर्ल्ड कप के फाइनल में, 10 बार की ओलंपिक चैंपियन कोरिया को हराकर किया उलटफेर

नई दिल्लीः भारत की महिला रिकर्व टीम ने गुरुवार को 10 बार की ओलंपिक चैंपियन साउथ कोरिया को हराकर हाल के सालों में अपनी सबसे बड़ी जीत में से एक दर्ज की और तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 के फाइनल में जगह बनाई। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और युवा तीरंदाज कुमकुम मोहद की अनुभवी तिकड़ी ने सेमीफाइनल में शक्तिशाली कोरियाई टीम को 5-1 से हराकर इस टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला मेडल पक्का कर दिया है। अब भारत का फाइनल में सामना रविवार को दूसरे वरीयता प्राप्त चीन से होगा।

जहां महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों की रिकर्व टीम को निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। भारत को बांग्लादेश के खिलाफ शुरूआती दौर में ही 2-6 की हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ भारतीय पुरुष टीम का अभियान भी खत्म हो गया। इस खेल की सबसे मजबूत टीम का सामना करते हुए भारतीय महिलाओं ने पहले ही सेट से जबरदस्त संयम दिखाया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर एकदम सही 10 अंक बनाकर जोरदार शुरूआत की और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58-55 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद भारत ने पीछे मुडकर नहीं देखा और 5-1 से शानदार जीत मिली।

आईपीएल 2026

रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने आरसीबी को 9 रन से हराया

,1

लखनऊ : मिचेल मार्श (111) की आतिशी शतकीय पारी के बाद प्रिंस यादव (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के वर्षा बाधित मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को नौ रनों से हराया। लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद यह जीत नसीब हुई। वहीं आरसीबी की यह टूर्नामेंट में चौथी हार है। ऋषभ पंत का दिग्वेश राठी को आखिरी ओवर देने का फैसला सही साबित हुआ। उन्होंने इस ओवर में 10 रन देते हुए स्कोर का बचाव किया और लखनऊ सुपर जायंट्स को अभी टूर्नामेंट से बाहर होने से बचा लिया है। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। जेकब बेथेल (चार) को मोहम्मद शमी ने आउट किया। वहीं अगले ही ओवर में प्रिंस यादव ने विराट कोहली को खाता भी खोलने का मौका नहीं दिया। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड़िक्कल ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 11वें ओवर में प्रिंस यादव ने पड़िक्कल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पड़िक्कल ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लागते हुए (34) रन बनाये। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रिंस ने जितेश शर्मा (एक) भी शिकार कर लिया। अगले ओवर में शाहबाज अहमद ने रजत पाटीदार को आउट कर पवेलियन भेज दिया। पाटीदार ने 31 गेंदों में तीन चौके और छक्के उड़ाते हुए (61) रनों की पारी खेली। आरसीबी के बल्लेबाजों क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए आखिरी तक अपने को मुकाबले में बनाये रखा। आरसीबी निर्धारित 19 ओवरों में छह विकेट पर 203 रन ही बना सकी और नौ रनों से मुकाबला हार गई। क्रुणाल पंड्या ने 16 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के भी जडे.। रोमारियो शेफर्ड ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते नाबाद 23 रन बनाये। 16वें ओवर शाहबाज अहमद ने टिम डेविड को आउट कर लखनऊ सुपर जायंट्स को छठी सफलता दिलाई। टिम डेविड ने 17 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (40) रन बनाये।

इससे पहले आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स ने आरसीबी के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में तीन विकेट पर 209 रनों का स्कोर खड़ा किया। डीएलएस पद्धति के तहत आरसीबी को 19 ओवरों में संशोधित 213 रन का लक्ष्य मिला है। आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के शुरूआती दूसरे ही ओवर में बारिश ने बाधा डाली। बारिश रुकने के कुछ देर बात जब फिर से खेल शुरू हुआ तो मिचेल मार्श चौके, छक्को की बारिश करते हुए अपनी टीम के लिए तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान 10वें ओवर में क्रुणाल पांड्या ने अर्शिन कुलकर्णी (17) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मौसम की परिस्थितयों को देखते हुए बल्लेबाजी के निकोलस पूरन को आगे भेजा गया। पूरन ने मार्श का बखूबी साथ निभाया। 14 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरू हो गई और खेल को रोकना पड़ा। उस समय लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक विकेट पर 145 रन बना लिये थे। मिचेल मार्श नाबाद 107 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। वहीं निकोलस पूरन भी नाबाद 14 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश रुकने के बाद जब फिर से खेल शुरू हुआ तो ओवरों की संख्या 19 कर दी गई। 17वें ओवर की पहली गेंद पर जॉश हेजलवुड ने मिचेल मार्श को बाउंड्री पर कैच आउट करा आरसीबी को बड़ी सफलता दिलाई। मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में नौ चौके और नौ छक्के उड़ाते हुए 111 रनों विस्फोटक पारी खेली। 19वें ओवर में रसिख सलाम ने निकोलस पूरन को आउट किया। निकोलस पूरन ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (38) रन बनाये। लखनऊ सुपर जायंट्स ने संशोधित ओवर 19 में तीन विकेट पर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान ऋषभ पंत ने 10 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 32 रन बनाये।

प. बंगाल में आज सीएम के नाम पर ऐलान संभव, अमित शाह की मौजूदगी में विधायक दल की होगी बैठक

कोलकाता : प. बंगाल के 2026 के विधानसभा में चुनाव प्रचंड जीत मिलने के बाद आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल की बैठक होगी। इस बैठक में राज्य के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह पर्यवेक्षक के रूप में आज नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी सह-पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहेंगे। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, बैठक कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में शाम 4 बजे होगी। इसी बैटख में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, जो राज्य का नया मुख्यमंत्री बनेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की थी कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया था कि यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान के बाद चार मई को मतों की मतगणना हुई। जिसमें तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। टीएमसी को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि पिछले चुनाव में पार्टी ने अकेले 215 सीटों हासिल की थी। जबकि भाजपा जिसे पिछले चुनाव में मात्र 77 सीटें मिली थी, उसने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 207 सीटों पर कब्जा जमाया है।

वीबी जी राम जी योजना लागू करने को हिमाचल राजी, पहले नई योजना के खिलाफ थी सरकार

शिमला: हिमाचल में आखिरकार केंद्र सरकार की नई योजना विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी लागू हो गई है। केंद्र सरकार ने इसके मनरेगा की जगह लाया था। हिमाचल सरकार ने पहले इस बदलाव के खिलाफ रुख अपना लिया था और दिसंबर में होने वाली विशेष ग्रामसभा को भी नहीं किया था, लेकिन अब राज्य सरकार नई योजना को लागू करने पर राजी हो गई है। केंद्र सरकार ने भी इसके लिए पहली किस्त जारी कर दी है। पहले केंद्र सरकार ने नई योजना के शुरू होने तक मनरेगा के तहत ही कार्यदिवस दे दिए थे। उन्हें अब नई योजना में पोर्ट कर दिया जाएगा। हालांकि पहले यह आकलन था कि मनरेगा को खत्म कर शुरू की नई योजना के कारण हिमाचल को हर साल 700 करोड़ का नुकसान हो सकता है। अभी हर साल हिमाचल करीब 1400 करोड़ के काम कर रहा है, जो अब आधे हो जाएंगे।

पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग ने इस बारे में एक रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी। केंद्र ने मनरेगा के बदले नई योजना विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी राम जी लागू की है। यह योजना मनरेगा की जगह लेगी, जिसमें रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 किए गए हैं, लेकिन बहुत से नए प्रावधान हिमाचल के हित में नहीं लग रहे थे। जिन राज्यों की आबादी कम है, उन्हें वैसे ही नुकसान है। नई योजना में जिला परिषदों में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए जा रहे पैसों को भी समाप्त कर दिया है। इन सब शंकाओं के बावजूद नई योजना को लागू किया जा रहा है, क्योंकि दूसरा विकल्प लेने पर राज्य को नुकसान हो सकता था।

नई योजना के नए प्रावधानः विभाग ने सरकार को रिपोर्ट दी है कि वार्षिक एलोकेशन के बाद अब नई योजना में एडिशनल आबंटन नहीं होगा। लेबर बजट में भी अब 90-10 की हिस्सेदारी होगी। यानी 10 फीसदी राज्य को डालना होगा। अब इस योजना के तहत बजट का आबंटन भी डिमांड आधारित नहीं होगा और इसे नॉर्मेटिव फामूर्ले से ही चलाया जाएगा। यदि इस योजना में एडिशनल काम किए जाते हैं, तो उसकी भरपाई राज्यों को करनी होगी। हिमाचल में मनरेगा के कामगारों को 350 रुपए दिहाड़ी दी जाती है, जबकि भारत सरकार 301 रुपए ही देती है। नई योजना में एडिशनल वेजिज का भार राज्य को उठाना पड़ेगा, जो सालाना 250 करोड़ बनता है।

चिट्टा तस्कर गिरोह का पदार्फाश, सोलन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पंजाब से मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

सोलनः सोलन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चिट्टा तस्करी से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि उनके कब्जे से 12.48 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से जिला में नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार 5 मई 2026 को जिला पुलिस की एसआईयू टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विवंता मॉल की पार्किंग में दबिश दी। इस दौरान एक टीयूवी गाड़ी में बैठे तीन युवकों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 7.07 ग्राम चिट्टा और 29 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवेंदर बत्ता निवासी सोलन, तेज सिंह निवासी कसौली तथा शुभम ठाकुर निवासी शिमला के रूप में हुई है। तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर पुलिस थाना सदर सोलन में मामला दर्ज किया गया।

अगले दिन आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से चार दिन का पुलिस रिमांड मिला। पूछताछ और तकनीकी जांच के दौरान खुलासा हुआ कि बरामद चिट्टा जीरकपुर से खरीदा गया था। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के मुख्य सप्लायर मनदीप को जीरकपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हरियाणा के कैथल जिले का रहने वाला है। उसके कब्जे से 5.41 ग्राम चिट्टा भी बरामद किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों में से दो आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। देवेंदर बत्ता के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं, जबकि तेज सिंह पर हिमाचल और हरियाणा में चिट्टा तस्करी समेत नौ मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। सोलन पुलिस की इस कार्रवाई को नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

'जन-गण-मन और वंदे मातरम बराबर नहीं'

केंद्र के फैसले पर ओवैसी बोले- संविधान, भारत के लोगों से शुरू होता है

हैदारबाद : एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार के उस फैसले पर आपत्ति जताई है, जिसमें वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह एक देवी की स्तुति है।

ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जन गण मन भारत और उसके लोगों का उत्सव मनाता है, किसी विशेष धर्म का नहीं। धर्म राष्ट्र नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि वंदे मातरम लिखने वाले बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन के प्रति सहानुभूति रखते थे और मुसलमानों के प्रति नकारात्मक सोच रखते थे। ओवैसी ने दावा किया कि नेताजी बोस, गांधी, नेहरू और टैगोर ने भी इसे राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया था। संविधान का हवाला देते हुए ओवैसी ने कहा कि प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, न कि भारत माता के नाम से। उन्होंने कहा कि संविधान भारत को राज्यों का संघ बताता है और देश किसी देवी-देवता के नाम पर नहीं चलता।ओवैसी ने यह भी कहा कि संविधान सभा में प्रस्तावना को देवी या ईश्वर के नाम से शुरू करने और उसके नागरिकों की जगह उसकी प्रजा लिखने जैसे संशोधन प्रस्तावित किए गए थे, लेकिन उन्हें खारिज कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि भारत यानी भारत के लोग। राष्ट्र कोई देवी नहीं है और यह किसी एक देवी-देवता का नहीं है। इस बीच तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने ओवैसी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि एआईएमआईएम नेतृत्व सांस्कृतिक एकीकरण को धार्मिक अलगाववाद के लिए खतरे के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने भी अपने राजनीतिक जीवन के शुरूआती दौर में वंदे मातरम का विरोध नहीं किया था, लेकिन कांग्रेस छोड़ने के बाद उनका रुख बदल गया। रामचंदर राव ने कहा कि एआईएमआईएम केवल वंदे मातरम ही नहीं, बल्कि समान नागरिक संहिता, तीन तलाक समाप्त करने और साझा राष्ट्रीय ढांचे के अन्य प्रयासों का भी विरोध करती रही है। उनके मुताबिक, यह राजनीति धार्मिक अलगाववाद और वोट बैंक की सोच से प्रेरित है। दरअसल, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा। इस संशोधन के बाद वंदे मातरम को भी जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण मिलेगा।

नाम खूब चला, पर कैबिनेट में जगह नहीं, मैथिली ठाकुर-कोमल सिंह समेत 13 नेता मंत्री बनने से चूके

पटनाः बिहार में सम्राट चौधरी कैबिनेट के मंत्रियों ने गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में शपथ ले ली। कुल 32 मंत्रियों को राज्यपाल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सम्राट कैबिनेट में 13 नए मंत्री हैं, जबकि 19 नीतीश कुमार की पिछली सरकार में भी मंत्री थे। एक खास बात यह भी है कि कुछ ऐसे भी नाम हैं, जिनके मंत्री बनने की चर्चा तो पहले थी, लेकिन उन्हें मंत्री बनने का मौका नहीं मिला। मैथिली ठुकर-कोमल सिंह समेत 13 नेता मंत्री बनने से चूके गए हैं। बीजेपी से ब्राह्मण में मैथिली ठाकुर, राजपूत जाति से नीरज सिंह बबलू, भूमिहार में जीवेश मिश्रा, अरवल से विधायक मनोज शर्मा और तेघड़ा विधायक रजनीश सिंह का नाम चल रहा था। माना जा रहा था कि इन नेताओं को कैबिनेट में जगह जरूर मिलेगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। महादलित में कृष्ण कुमार ऋषि और संगीता कुमारी का नाम भी चल रहा था। इनको भी मौका नहीं मिला।

इन सबका इंतजार अगले कैबिनेट विस्तार या उससे भी आगे के लिए टल गया है। वहीं जदयू से भी कई ऐसे नाम हैं, जो मंत्री बनने की रेस में थे। इनमें रूहैल रंजन, अतिरेक कुमार, चेतन आनंद, कोमल सिंह, ऋतुराज कुमार, नचिकेता मंडल का नाम शामिल है। इनमें से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया। हालांकि, नाम खूब चलने के बावजूद मैथिली को मंत्री नहीं बनाया गया। श्रेयसी सिंह का नाम तो सीएम पद के लिए उड़ने लगा था, लेकिन वे बात हवाई निकली। उन्हें कैबिनेट में दोबारा जगह मिल गई है।

निशांत की सरप्राइज एंट्रीः जदयू से निशांत कुमार की सरप्राइज एंट्री है, जिन्होंने सम्राट सरकार के गठन से पहले डिप्टी सीएम पद का ऑफर कथित तौर पर ठुकरा दिया था। अब निशांत कुमार मंत्री बन गए हैं। दो दिनों तक पहले यह चर्चा चल रही थी कि निशांत के साथ लगातार नजर आ रहे युवा विधायकों की कोर टीम से एक या दो मंत्री बन सकते हैं। नीतीश ने जेडीयू कोटे से पिछली बार या पहले भी कभी मंत्री रहे नेताओं के अलावा सिर्फ निशांत कुमार, श्वेता गुप्ता और बुलो मंडल को पहली बार मंत्री बनवाया है।

कई दिनों से रची जा रही थी शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या की साजिश, चंद्रनाथ मर्डर केस में हुए कई खुलासे

कोलकाता : कोलकाता में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। शुरूआती जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या की साजिश पिछले तीन-चार दिनों से रची जा रही थी और हमलावर लगातार रथ की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। इस घटना ने राज्य की कानून-व्यवस्था और राजनीतिक माहौल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस और भाजपा नेताओं के अनुसार, चंद्रनाथ रथ अपनी सफेद स्कॉर्पियो एसयूवी से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उनकी गाड़ी का पीछा करना शुरू कर दिया। मध्यमग्राम के दोहारिया इलाके में पहुंचते ही हमलावरों ने एसयूवी को घेर लिया और बेहद करीब से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

हमले में रथ को सीने और पेट में कई गोलियां लगीं, जबकि गाड़ी चला रहा ड्राइवर भी घायल हो गया। दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ रथ को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, गोलियां उनके दिल को चीरते हुए निकल गई थीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

जांच से जुड़े एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों का निशाना सिर्फ चंद्रनाथ रथ थे। फायरिंग के तरीके से साफ संकेत मिलता है कि वारदात को पेशेवर अपराधियों ने अंजाम दिया। अधिकारी के मुताबिक, रथ ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे थे और हमलावरों ने सीधे उन्हीं पर निशाना साधा। गोलियां इतनी सटीक थीं कि एसयूवी के फ्रंट ग्लास या बॉडी पर एक भी गोली नहीं लगी। ड्राइवर को चोट इसलिए आई क्योंकि वह रथ के बेहद करीब बैठा था।

पुलिस को शक है कि आरोपियों ने कई दिनों तक रथ की गतिविधियों की रेकी की थी। उनकी आवाजाही, रूट और समय की जानकारी जुटाने के बाद पूरी योजना के तहत हत्या को अंजाम दिया गया। घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हमला पूरी तरह सुनियोजित लग रहा था। उसके अनुसार, रथ की गाड़ी उसकी कार को पार करके आगे निकली ही थी कि अचानक सड़क पर रुक गई। तभी एक बाइक सवार व्यक्ति कार के बाईं ओर पहुंचा और बेहद करीब से फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हमलावर किसी प्रशिक्षित शूटर की तरह लग रहा था। उसने दो गोलियां चलाईं और तुरंत वहां से फरार हो गया। घटना रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच हुई। घटना के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। जेसोर रोड और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों से भी पूछताछ की जा रही है। सिद्धिनाथ गुप्ता देर रात अस्पताल पहुंचे और बताया कि पुलिस ने एक संदिग्ध चार पहिया वाहन जब्त किया है, जिसकी नंबर प्लेट से छेड़छाड़ की गई थी। जांच में पता चला कि वाहन पर लगा नंबर सिलीगुड़ी में रजिस्टर्ड एक दूसरी कार का है। पुलिस ने जब उस नंबर के असली मालिक विलियम जोसेफ से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि उनकी कार सिलीगुड़ी स्थित घर के गैरेज में खड़ी है और वह मध्यमग्राम गई ही नहीं।

ईरान युद्ध का भारी साइड इफेक्ट खान से सोना निकालना हुआ महंगा

जोहान्सबर्ग : अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भयंकर युद्ध का असर अब केवल कच्चे तेल के बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने सोने की चमक को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका की प्रमुख गोल्ड माइनिंग कंपनी गोल्ड फील्ड्स ने गुरुवार को बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण खदानों से पीली धातु निकालने की लागत में भारी इजाफा हो रहा है। युद्ध के चलते माइनिंग में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और विस्फोटकों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे इस दिग्गज अफ्रीकी कंपनी का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों का माइनिंग पर सीधा प्रहारः कंपनी ने अपनी हालिया तिमाही अपडेट में इस संकट को लेकर चिंता जताई है। गोल्ड फील्ड्स के मुताबिक, अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास भी बनी रहती है, तो पोर्टफोलियो स्तर पर माइनिंग की लागत में 40 से 50 डॉलर प्रति औंस तक का भारी इजाफा हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ घाना, ऑस्ट्रेलिया, चिली और पेरू में कारोबार करने वाली इस कंपनी का कहना है कि उनकी लागत में सबसे बड़ी बढ़ोतरी डीजल के मोर्चे पर हुई है, जिसके दाम 70 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इसके अलावा माल ढुलाई की लागत में 40 प्रतिशत और लिक्विफाइड नेचुरल गैस की कीमतों में 30 प्रतिशत का तगड़ा उछाल आया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया जैसी दूरदराज की साइट्स पर ऊर्जा के लिए एलएनजी का ही सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

विस्फोटकों से लेकर साइनाइड तक, हर चीज हुई महंगीः माइनिंग के लिए जरूरी रसायन भी महंगाई की इस मार से अछूते नहीं हैं। सोने की प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण रसायन साइनाइड और खदानों के लिए जरूरी विस्फोटकों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में यह युद्ध शुरू हुआ था। इसके जवाब में ईरान ने ऊर्जा व्यापार के सबसे अहम मार्ग होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया था, जिससे अप्रैल के अंत तक कच्चे तेल के दाम 126 डॉलर प्रति बैरल के खतरनाक स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शांति समझौते के संकेत दिए जाने के बाद तेल अब 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है, लेकिन संकट और खौफ अभी टला नहीं है।

तमाम चुनौतियों के बावजूद उत्पादन में शानदार उछाल : लागत बढ़ने के बावजूद गोल्ड फील्ड्स के उत्पादन के आंकड़े राहत देने वाले हैं। कंपनी ने साल 2026 की पहली तिमाही में 6.33 लाख औंस सोने का शानदार उत्पादन किया है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत ज्यादा है। इस सफलता का बड़ा श्रेय चिली की सालारेस नॉर्टे खदान को जाता है, जिसने अन्य खदानों में हुए कम उत्पादन की भरपाई कर दी। इसके साथ ही, सोने की कीमतों में भी भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। जनवरी के अंत में जो सोना 5,595 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर था, वह अब 4,744 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। कंपनी को पूरी उम्मीद है कि वह 2026 में 24 लाख से 26 लाख औंस सोने का कुल उत्पादन करने में सफल रहेगी। लागत को नियंत्रित रखने के लिए कंपनी अपनी खदानों में अधिक ईंधन-कुशल और उच्च क्षमता वाले ढुलाई सिस्टम अपना रही है।

हवा में हिचकोले खाने लगा इंडिगो का विमान, सांसें अटकीं, फिर पायलट बने बीजेपी सांसद ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

लखनऊ : दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में उस वक्त यात्रियों की सांसें हलक में अटक गईं, जब खराब मौसम के कारण विमान हवा में बुरी तरह हिचकोले खाने लगा। तेज टबुर्लेंस के कारण विमान में सवार यात्री दहशत में आ गए और चीखने-चिल्लाने लगे। हालांकि, इस खौफनाक मंजर के बीच विमान की कमान एक बेहद अनुभवी हाथों में थी। इस फ्लाइट को कोई और नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी उड़ा रहे थे। उनकी सूझबूझ से विमान को पटना के बजाय लखनऊ डायवर्ट कर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई, जिसके बाद सभी ने राहत की सांस ली।

टबुर्लेंस से मची चीख-पुकार, लखनऊ किया गया डायवर्ट : जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6497 ने रात करीब सवा 8 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और इसे डेढ़ घंटे में पटना पहुंचना था। लेकिन पटना के आसमान में पहुंचते ही मौसम अचानक बिगड़ गया। तेज हवाओं और गरज के कारण एटीसी से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल पाई। पटना के आसमान में कुछ देर चक्कर लगाने के बाद विमान को लखनऊ की ओर मोड़ दिया गया। इसी बीच भयंकर टबुर्लेंस के कारण विमान हवा में डगमगाने लगा, जिससे अपनी सीटों पर बैठे यात्री खौफजदा हो गए।

अब आप ताली बजा सकते हैं , रूडी के संबोधन ने जीता दिलः रात करीब पौने 11 बजे जब विमान लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे पर सुरक्षित उतर गया, तो यात्रियों की जान में जान आई। इसके बाद पायलट राजीव प्रताप रूडी ने कॉकपिट से यात्रियों को अपने चुटीले अंदाज में संबोधित किया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उन्होंने माइक पर कहा, ह्लअब आप ताली बजा सकते हैं, हम सुरक्षित उतर गए हैं। थोड़ा इंतजार करेंगे, मौसम ठीक होता है तो वापस रवाना होंगे। रूडी ने यात्रियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि विमान बहुत खूबसूरत है, पायलट शानदार हैं और आप सुरक्षित हाथों में हैं। उनकी इस बात ने घबराए यात्रियों के चेहरों पर फिर से मुस्कान ला दी और पूरी फ्लाइट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी।

पेशेवर कमर्शियल पायलट हैं सांसद राजीव प्रताप रूडीः गौरतलब है कि बिहार की सारण लोकसभा सीट से भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी राजनीति के साथ-साथ एविएशन सेक्टर का भी लंबा अनुभव रखते हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वह नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में भी संसदीय कार्य मंत्री का पद संभाल चुके हैं। सक्रिय राजनीति में होने के बावजूद रूडी एक पेशेवर कमर्शियल पायलट हैं और वर्तमान में इंडिगो एयरलाइंस के साथ नियमित रूप से विमान उड़ाते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

पीएम श्री स्कूल लावालौंग के बच्चों का बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन

चतरा : जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय लावालौंग के बच्चों का इस वर्ष विभिन्न बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन रहा है। उक्त विषय की जानकारी देते हुए प्रधानाध्यापक अशोक कुमार पासवान ने बताया कि विद्यालय के आंठवी कक्षा में कुल 87 परीक्षार्थी शामिल हुए थे,जिनमें 80 विद्यार्थी सफल रहे।जिसका उत्तीर्ण प्रतिशत 92 रहा। वहीं कक्षा 9वीं में 328 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें 324 विद्यार्थी सफल हुए। इस कक्षा का परिणाम 98.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं दसवीं कक्षा में विद्यालय ने विशेष उपलब्धि हासिल की। कुल 294 विद्यार्थियों में से 274 विद्यार्थी सफल हुए और परिणाम 93.19 प्रतिशत रहा। इनमें 116 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी तथा 158 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की और जिला टॉप का सहारा इसी विद्यालय की छात्रा निशा भारती के सर पे बंधा। वहीं सुप्रिया रानी ने 472 अंक प्राप्त कर दूसरा तथा सोनू कुमार ने 462 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया है। कक्षा 11वीं कला संकाय मे 219 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए जिसमें 210 विद्यार्थी सफल हुए। कला संकाय का परिणाम 95 प्रतिशत रहा। वहीं विज्ञान संकाय में सभी 40 परीक्षार्थी सफल रहे और परिणाम शत-प्रतिशत रहा।
कक्षा 12वीं कला संकाय में 175 विद्यार्थियों में से 170 सफल हुए। इस संकाय का परिणाम 97.14 प्रतिशत रहा। 60 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी और 108 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। कालेश्वर कुमार गंझू ने 402 अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। तनीषा कुमारी ने 405 अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बनकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अशोक कुमार पासवान ने इस सफलता पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ खेल, कला, विज्ञान प्रदर्शनी और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

सिविल सर्जन ने सीएचसी हंटरगंज का किया औचक निरीक्षण

चतरा : सिविल सर्जन डॉ सतेंद्र प्रसाद सिंहा ने गुरुवार को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दोपहर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को ड्यूटी में ड्रेस कोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से उनके इलाज व सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सिविल सर्जन के औचक निरीक्षण से चिकित्सकों व चिकित्सा कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, लेबर वार्ड, ओपीडी, सामान्य वार्ड, पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, शिशु वार्ड, दावा वितरण काउंटर आदि का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली, वहीं मरीजों से बात भी की और सभी आवश्यक अभिलेखों को नियमित रूप से अपडेट रखने का निर्देश दिया। इस दौरान उनकी नजर शौचालय पर पड़ी जहां गंदगी देखकर साफ-सफाई को लेकर सफाई कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।सिविल सर्जन ने जोर देकर कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी कर्मियों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आग्रह किया। मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ वेद प्रकाश, डॉ केके शाहा, बीपीएम संजय कुमार सिन्हा, बीडीएम ओमप्रकाश, कंप्यूटर ऑपरेटर वीरेंद्र कुमार सहित दर्जनों स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

रेलवे तोड़ रहा मंदिर में अवैध रुप से बना मकान

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग द्वारा शुक्रवार को खासमहल जगन्नाथ मंदिर परिसर में अवैध रुप से बन रहे मकान को तोड़ने का अभियान चलाया। आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में दर्जनों रेलकर्मी दिनभर मकान तोड़ने में जुटे रहे। बताया जाता है कि, मंदिर परिसर में अवैध रुप ये मकान बनने की नोटिस किसी ने चक्रधरपुर में डीआरएम के पास भेज दया था। इससे डीआरएम द्वारा टाटानगर के एईएन को तत्काल निर्माण रोकने और अर्धनिर्मित मकान को तोड़ने का आदेश जारी किया था।

थैलेसीमिया दिवस पर कल बच्चे प्रस्तुत करेंगे नृत्य नाटिका

जमशेदपुर : थैलेसीमिया दिवस पर शहर के बच्चे एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे। यह कार्यक्रम शनिवार को दयानंद पब्लिक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में थैलेसीमिया बच्चों और उनके परिजनों की परेशानी यो का जिक्र होगा। इसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को ऐसी पीड़ितों के मदद के लिए सामने लाना है। एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा ऐसे थैलेसीमिया बच्चों की सेवा को लेकर कई लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।

कुंदन ठाकुर की हत्या में विशाल पाल को उम्रकैद की सजा

जमशेदपुर : एडीजे-2 की अदालत में शुक्रवार को कुंदन ठाकुर की हत्या में विशाल गोप के खिलाफ उम्रकैद की सजा और 10 हजार जुमार्ने की सजा सुनाई गई। जुमार्ना नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा होगी। मालूम हो कि, अदालत में कुंदन ठाकुर हत्याकांड के आरोपी विशाल गोप के खिलाफ 30 अप्रैल को तीन धाराओं में दोष सिद्ध हुआ था। विशाल पाल के हजारीबाग जेल में बंद रहने के कारण अदालत में उसकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी होती थी। बताया जाता है कि 26 मार्च 2018 को कुंदन ठाकुर रामनवमी का जुलूस देखने निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा। परिजनों द्वारा खोजबीन करने पर कुंदन को विशाल के साथ देखने की जानकारी लोगों ने दी थी। अगले दिन पुलिस ने नाला से कुंदन ठाकुर का शव बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि, हत्या से पूर्व कुंदन को प्रताड़ित किया गया था क्योंकि, शरीर पर कई जगह सिगरेट से जलाने के कई निशान थे।

जेल में स्प्रूहा योजना को लेकर जागरूकता कैम्प का हुआ आयोजन

नालसा स्प्रूहा योजना 2025 के तहत दी गई जानकारी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राम शर्मा व सचिव राकेश रंजन के निर्देश पर शुक्रवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में स्प्रूहा योजना 2025 को ले विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर बन्दियों को स्प्रूहा योजना के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने नालसा स्प्रूहा योजना 2025 के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना विचाराधीन कैदियों व उनके आश्रितों को कानूनी व सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए लाया गया है। यह कैदियों ,विचाराधीन कैदियों व उनके आश्रितों को कानूनी सहायता, परामर्श व पुनर्वास प्रदान करती हैं।उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ही जेल में बंद लोगो के परिवार को सहारा देना हैं जिन्हें अक्सर नजर अंदाज कर दिया जाता हैं।इस योजना के तहत लोगों को समग्र देखभाल कानूनी व मनोवैज्ञानिक आर्थिक सहायता प्रदान करता हैं। इसके तहत मुफ्त कानूनी सहायता जमानत या पैरोल में मदद करने व परामर्श व मानसिक स्वास्थय सहायता देने आश्रितों को शैक्षिक व आर्थिक सहायता के लिए कल्याणकारी योजनाओं से, जोड़ने जेल से रिहा होने के बाद पुनर्वास व समाज में मदद करने का प्रावधान हैं।उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्दोष आश्रितों को ऐसी परिस्थितियो के कारण दोहरा दंड न मिले,और कैदियों में अपराध को दोहराने की प्रवृत्ति कम हो।इस मौके पर एलएडीसी के असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय ने कहा कि बन्दी लोग जो सजायपता है उसका गुनाह घर वाला क्यो भुगते इसी को लेकर यह योजना लाया गया है।उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत बंदियों को परिवार के सदस्यों को पुनर्वास आजीविका सहायता प्रदान करना है।उन्होंने कहा कि बन्दी के घर मे अगर कोई समस्या है तो वे डालसा तक पहुचाये उनके समस्या का समाधान करने कस प्रयास होगा।उन्होंने में अच्छा आचरण रखने व जेल मैनुएल का पालन करने का भी सलाह दिया।इस मौके पर असिस्टेंट जेलर देवनाथ राम ने कहा कि बन्दी को कोई समस्या हो तो वे निधड़क रूप से उनके पास रखे।समस्या दूर करने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि जेल एक सुधार गृह हैं यहाँ साहित्य पढ़े व चिन्तन करे।उन्होंने कहा कि स्प्रूहा योजना बन्दियों के परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण योजना हैं।यह बन्दियों व उनके परिवार के सदस्यों के हित के लिए बनाया गया हैं।इस मौके जेल पीएलवी नीरज सिंह, आलोक केरकेटा समेत सौकड़ों बन्दी उपस्थित थे।

महंगाई के विरोध में झामुमो ने दिया धरना

संवाददाता

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन चौक पर गुरुवार को झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने केंद्र की ₹भाजपा सरकार₹ के गलत निर्णयों के कारण देश में बढ़ती महंगाई के विरोध में एक दिवसीय विशाल धरना प्रदर्शन किया।इस दौरान झामुमो कार्यकताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस दौरान झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने अपनी गलत नीतियों से देश में महंगाई बढ़ा दी है।कमर्शियल एलपीजी गैस महंगा हो गया है।इसका असर देश की गरीब जनता पर पड़ रहा है।झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी इस महंगाई के विरोध में देश की गरीब जनता के साथ खड़ी है।झामुमो केन्द्र की भाजपा सरकार से मांग करती है कि बढ़ाये गए एलपीजी गैस,पेट्रोल व डीजल के दाम कम करें। अन्यथा झामुमो सड़क लेकर सदन तक आंदोलन करेगा।उन्होंने कहा कि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो सड़क व रेल को खाली गैस सिलेंडर से पाट देंगे। मौके पर जिला सचिव सुरेश टुडू, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा, संजीव सामु हेंब्रम, जिला युवा मोर्चा सचिव मो मारुफ उर्फ गुड्डू, प्रो नजरुल इस्लाम,नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान, केंद्रीय समिति सदस्य सुरेंद्र यादव, अमरनाथ यादव, अखलाकुर रहमान, राजमहल नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख,प्रो मोजम्मिल हक सहित सभी प्रखंडों से अध्यक्ष, सचिव व सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

इफ्को कंपनी के द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन

आधुनिक खेती की दी गई जानकारी

मेट्रो रेज संवाददाता

डोमचांच : प्रखंड के जेरुवाडीह पंचायत में दिनांक 07 मई 2026 को ब्लॉक डोमचाच जिला कोडरमा इफको कंपनी द्वारा एक दिवसीय किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एफपीओ डोमचांच के सचिव ममता कुमारी, रंजन कुमार मेहता, विपिन कुमार, दीपिका कुमारी, राजेंद्र कुमार मेहता, मनीषा देवी, सोनी देवी सहित लगभग 50 किसान (पुरुष एवं महिलाएं) उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में इफको के प्रबंधक अमित आनंद ने किसानों को मृदा उर्वरता बढ़ाने के उपायों, अम्लीय मिट्टी के सुधार तथा मृदा परीक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को इफको की नई तकनीक आधारित नैनो उर्वरकों जैसे नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जिंक एवं नैनो कॉपर के उपयोग, उनकी महत्ता तथा पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में उनके बेहतर परिणामों के बारे में समझाया।
इसके अलावा, पौधों के लिए आवश्यक प्रमुख पोषक तत्वों, उनके लाभ एवं कमी के प्रभावों पर भी चर्चा की गई। साथ ही, जैव उर्वरक (एन पी के कंसोर्टियम) के उपयोग एवं उसके फायदों के बारे में किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में एस एफ ए विजय कुमार, कोडरमा ने किसानों को सागरिका लिक्विड एवं सागरिका बकेट के उपयोग एवं लाभ के बारे में बताया। यह कार्यक्रम किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं ज्ञानवर्धक रहा।

पंचायत सचिवालय में भाजपा मंडल की हुई बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

मरकच्चो : प्रखंड के नावाडीह एक पंचायत सचिवालय में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नविन एवं प्रदेश भाजपा के निदेर्शानुसार मण्डल मे हरेक माह कार्यकर्त्ता एवं मण्डल पदाधिकारी के साथ बैठक को लेकर गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया गया जहां बैठक की अध्यक्षता भाजपा मण्डल अध्यक्ष सुनील कुमार यादव तथा संचालन महामंत्री पवन सिंह एवं अर्जुन यादव ने किया! जिला से इस बैठक मे प्रभारी के रूप मे जिला उपाध्यक्ष श्री गोपाल कुमार गुतुल जी उपस्थिति रहे तथा वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वेदु साव जी मौजूद रहे तथा बैठक मे मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष के द्वारा नयी कमिटी की विस्तार हेतु एक दूसरे को बधाई एवं भाजपा की तीन राज्यों मे सरकार बनने को लेकर उत्साह मनाया गया जिसमे बंगाल, असम और पुदुचेरी मे! तथा हरेक माह के अंत मे हरेक बूथ पर प्रधान मंत्री की मन की बात को सुनना एवं शक्ति केंद्र एवं बूथ की नयी कमिटी की विस्तार करना ये सभी बात को लेकर बैठक हुई, वहीं इस दौरान निम्न पदाधिकारियों की घोषणा की गई जिसमें अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ग्राम महगांई, उपाध्यक्ष राम कृष्ण बर्मा ग्राम नावाडीह, सिकंदर पंडित ग्राम चोपनाडीह, बैजन्ती देवी ग्राम नावाडीह, उषादेवी ग्राम बरियारडीह, महामंत्री के रूप में पवन कुमार सिंह ग्राम मुर्कमनाई, अर्जुन कुमार यादव ग्राम केतरुसिंगा, मंत्री के रूप में पवन कुमार यादव ग्राम बहादुरपुर,नकुल यादव ग्राम डगरनवा, रंजीत भारती ग्राम देवीपुर, संजू देवी ग्राम गुरहा, कोषाध्यक्ष के रूप में परमेस्वर सिंह ग्राम पूर्णानगर, कार्यालय मंत्री के रूप में लखन पासवान ग्राम मुर्कमनाई,कार्यालय सह मंत्री सहदेव मोदी ग्राम डेबवा, मीडिया प्रभारी अजीत बर्मा ग्राम नावाडीह, मीडिया सह प्रभारी सुनील कुमार ग्राम झावांतरी, आईटी संयोजक उपेंद्र राणा ग्राम जगदीश पुर और नेहरूलाल साहा ग्राम नावाडीह का घोषणा कियागया मौके पर सिकंदर पंडित, बसंत साव, भोला यादव, हीरालाल यादव, उषा देवी, संजू देवी, विजय यादव, अजित वर्मा, उपेंद्र राना, सहदेव पंडित, परमेश्वर सिंह,अजित यादव, नेहरूलाल शाहा, सिकेंद्र शाहा, लखन पासवान दर्जनों कार्यकर्त्ता इत्यादि मौजूद रहे।

बेहतरीन पेंटिंग्स के जरिए लोगों को है जोड़ना

जमशेदपुर शहर की टिस्को कंपनी में कार्यरत महिला कर्मचारी पूजा शर्मा अपनी खाली समय में बेहतरीन पेंटिंग कर अपने साथी कर्मचारी एवं आसपास के लोगों को एक साथ जोड़ने का कार्य कर रही है प्रत्येक रविवार बिस्टुपुर स्थित अपने आवास में गरीब बच्चों के लिए मुफ्त पेंटिंग की क्लासेस भी चलाती है मिस पूजा शर्मा का लक्ष्य असहाय बच्चों तक कला से जुड़ी जानकारी और उन्हें कला में रचनात्मक बढ़ावा देते रहने का।

बारीडीह हाई स्कूल में मातृ दिवस समारोह आयोजित किया गया

जमशेदपुर : बारीडीह हाई स्कूल में 7 मई 2026 को बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मातृ दिवस मनाया गया। बाल वाटिका वर्ग की माताओं ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत यादगार और भावनात्मक बन गया।कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गीत एवं स्वागत नृत्य से हुई। विद्यार्थियों ने माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए भाषण भी प्रस्तुत किए।माताओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें नृत्य, गायन, रंगोली निर्माण, पॉट पेंटिंग, फूड विदाउट फायर तथा बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। माताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ा दी। पूरा कार्यक्रम खुशी, रचनात्मकता और आपसी स्नेह से भरपूर रहा। यह माताओं के प्रेम और त्याग को समर्पित एक अत्यंत सुंदर और सफल आयोजन था।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती संगीता हलदर एवं समस्त बाल वाटिका ग्रुप के शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छात्रों ने अपनी रचनात्मक कला से बांस से हैंड वॉश यूनिट तैयार किया

बिनय मिश्रा

चक्रधरपुर : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंर्तगत प्रोजेक्ट परखः एक नई उड़ान के तहत चक्रधरपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय-इटिहासा के छात्रों द्वारा अपनी वैज्ञानिक सोच एवं रचनात्मक कला का प्रदर्शन कर बांस से निर्मित हैंड वॉश यूनिट तैयार किया गया है। जो कम संसाधनों में भी बेहतर परिणाम का एक उत्कृष्ट पहल है, साथ ही पर्यावरण अनुकूल भी है। इसके साथ ही परिसर में मौजूद हैंड वॉश यूनिट पर छात्र-छात्राओं के भीड़ की समस्या का समाधान भी हो गया। बांस से निर्मित हैंड वॉश यूनिट के निर्माण के संदर्भ में जिला उपायुक्त श्री मनीष कुमार के द्वारा विद्यालय के बच्चों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने यह साबित कर दिखाया है कि अगर आप में कुछ कर गुजरने का जुनून है, तो आप उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करके भी अच्छे परिणाम दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस नवाचार नवनिर्माण को प्रोजेक्ट परख के तहत जिले के अन्य विद्यालयों में भी लागू करने का जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा तथा इसे अन्य विद्यालयों में भी एक्टिविटी ऑफ मंथ के रूप में शामिल किया जाएगा। इस नई पहल के लिए विद्यालय के बच्चे बधाई के पात्र हैं। विद्यालयों में यह पहल छात्र-छात्राओं का स्वच्छता के प्रति उनकी चेतना एवं समयबद्धता को दशार्ता है। स्वच्छ परिसर स्वस्थ जीवन का आधार है।